हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 25 फरवरी 2025 | अंक 134/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE
WEDDING
COLLECTION
•LACHA•BANARASI•LEHENGA
•DESIGNER • FANCY WORK
वैशाली
लाछा अँन्ड सारिज़
लाछा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. 9529081789, 9325112561 | समय: 10.00से7.30 रविवार बंद

खबरें! एक नजर में!!

पहली बार पेश हुए रणवीर इलाहाबादिया

मुंबई. यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और आशीष चंचलानी इंडियाज गॉट लेटेंट शो को लेकर चल रहे विवाद के बीच सोमवार को महाराष्ट्र साइबर सेल के सामने पेश हुए हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों वहां अपना बयान दर्ज करने पहुंचे थे जहां पुलिस ने उनसे 2 घंटे तक पूछताछ की। इलाहाबादिया और चंचलानी को यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो पर कथित रूप से अश्लीलता को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं जिसके बाद मुंबई पुलिस ने दोनों को समन भेजा था।महाराष्ट्र साइबर सेल के मुताबिक, "आशीष चंचलानी और रणवीर इलाहाबादिया ने महाराष्ट्र साइबर सेल के अधिकारियों से संपर्क किया।

ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने पेट में छोड़ दी बैंडेज

बेंगलुरु. कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई। यहां ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने एक महिला के पेट में बैंडेज की पट्टी छोड़ दी। यह घटना तब सामने आई जब महिला के पति ने सोशल मीडिया पर न्याय की मांग करते हुए इस चिकित्सा लापरवाही के बारे में जानकारी दी। महिला पिछले साल नवंबर महीने में डिलीवरी के लिए भर्ती हुई थी। डॉक्टरों ने उसका सिजेरियन ऑपरेशन किया और यह लापरवाही को अंजाम दिया। ऑपरेशन के कुछ हफ्तों बाद महिला को गंभीर समस्याएं शुरू हो गईं थी।

सुनीता विलियम्स की धरती पर होगी रोमांचक री-एंट्री

नई दिल्ली. 9 महीनों से स्पेस में फंसी भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की जल्द ही धरती पर धमाकेदार और रोमांचक वापसी होने वाली है। नासा के अधिकारी दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की होली के बाद वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। इसके लिए स्पेस स्टेशन में सुनीता विलियम्स ने तैयारी भी शुरू कर दी है। उन्होंने धरती पर वापसी के लिए एक रिफ्रेशर सत्र में हिस्सा लिया। सुनीता विलियम्स स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से धरती में एंट्री लेंगी।

हिमालय में तेजी से सिकुड़ रही बर्फ की चादर

नई दिल्ली. जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के चलते इस साल पहाड़ों में बर्फबारी घटी है। इससे पहाड़ी राज्यों में पर्यटन और खेती पर भी असर पड़ा है। साल दर साल घटती बर्फबारी और बढ़ती गर्मी से पहाड़ों में जमी बर्फ में भी कमी आ रही है। हाल के एक अध्ययन में सामने आया है कि हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के ऊपरी हिस्से में हिम आवरण 150 मीटर तक घट गया है। सेटेलाइट से प्राप्त तस्वीरों के जरिए किए गए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने तेजी से घटते ग्लेशियरों को लेकर चिंता जताई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ते तापमान और बर्फबारी में कमी से हिमालय के इस क्षेत्र में ग्लेशियर का पिघलना तेज हो सकता है। इससे हिमालय के बर्फ भंडारों पर निर्भर जल संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ सकता है।

दफ्तर से भगत सिंह, आंबेडकर की तस्वीरें हटाईं

नई दिल्ली. सीएम ऑफिस में बाबा साहब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरों पर भाजपा और आप आमने-सामने आ गई है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया, 'भाजपा के सत्ता में आते ही सीएम ऑफिस से बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं। इसके कुछ घंटे बाद ही भाजपा ने सीएम ऑफिस की एक तस्वीर जारी की। कहा कि आप झूठ बोल रही है। सीएम ऑफिस में अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगी हैं। बस उनकी जगह बदली गई।

पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी

9.8 करोड़ किसानों को 22,000 करोड़ से अधिक की राशि जारी

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 फरवरी, 2025 को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 19वीं किस्त जारी की। देश भर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान 19वीं किस्त जारी होने से लाभान्वित होंगे, उन्हें किसी भी बिचौलिए की भागीदारी के बिना प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 22,000 करोड़ रूपये से अधिक की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी, जो किसान कल्याण और कृषि समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।इस किस्त के साथ, यह योजना देश भर के किसानों को सहायता प्रदान करेगी और ग्रामीण विकास तथा कृषि समृद्धि के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाएगी।

पीएम-किसान एक केंद्रीय योजना है जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शुरू किया था। इस योजना के अंतर्गत किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000/- रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है।

किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे ने यह सुनिश्चित किया है कि इस योजना का लाभ बिना किसी बिचौलिए की भागीदारी के देश भर के सभी किसानों तक पहुंचे। लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए, भारत सरकार ने फरवरी 2025 तक स्थापना के बाद से 18 किस्तों में 3.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक धन का वितरण किया है। प्रत्येक फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और उचित उपज सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न इनपुट की खरीद में एसएमएफ की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना। यह किसानों के ऐसे व्यय को पूरा करने के लिए साहूकारों के चंगुल में फंसने से भी बचाएगा और खेती से जुड़ी गतिविधियों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

पीएम-किसान योजना को और अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से, किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस योजना का लाभ बिना किसी बिचौलिए के देश भर के सभी किसानों तक पहुंचे।

24 फरवरी 2020 को पीएम-किसान योजना मोबाइल ऐप की शुरूआत की गई थी। इस ऐप को अधिक पारदर्शिता और अधिक किसानों तक पहुंच बनाने के लिए विकसित किया गया है।

पंजीकरण की सुविधा अनिवार्य

पंजीकरण की सुविधा और अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 5 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, पोर्टल पर एक मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली बनाई गई है, और सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया एआई चैटबॉट, किसान-ईमित्र, भुगतान, पंजीकरण और पात्रता के बारे में स्थानीय भाषाओं में प्रश्नों का त्वरित समाधान प्रदान करता है। किसान अपने आस-पास के 100 अन्य किसानों को उनके घर पर ई-केवाईसी पूरा करने में भी सहायता कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने किसानों के ई-केवाईसी को पूरा करने की सुविधा राज्य सरकार के अधिकारियों को भी दी है.

अपनी ही सरकार में घिरने लगे शिंदे

> अनियमितताओं पर एक्शन मोड में फडणवीस सरकार

मुंबई.

महाराष्ट्र में पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे को एक और बड़ा झटका लगा है, क्योंकि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) आधारित कृषि उत्पाद खरीद में अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं. सरकार द्वारा जारी आदेश में पूर्ववर्ती सरकार के तहत पूर्व विपणन मंत्री अब्दुल सत्तार द्वारा नेशनल एग्रीकल्चरल को-ऑपरेटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया को प्रस्तावित नोडल एजेंसियों की नियुक्ति पर सवाल उठाए गए हैं. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार नोडल एजेंसियों की नियुक्ति, रणनीति निर्माण और खरीद एजेंसियों के चयन को लेकर नई नीति तैयार करने की योजना बना रही है. साथ ही, उन एजेंसियों की मान्यता रद्द कर दी जाएगी, जो तय मानकों को पूरा नहीं करती हैं. सरकार ने उन नोडल एजेंसियों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है, जिन्हें एमएसपी पर कृषि उत्पादों की खरीद के लिए सूची में शामिल किया गया था, लेकिन उनके पास इस क्षेत्र में कोई अनुभव नहीं था और वे केवल राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण चुनी गई थीं. इन एजेंसियों की समीक्षा के बाद, सरकार ने छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो नई नोडल एजेंसियों के चयन और उनके लिए एक समावेशी नीति बनाने का निर्णय लेगी.

कूड़ा प्रबंधन को लेकर अदालत ने राज्यों से मांगा जवाब

> कहा- कचरे को स्रोत पर ही अलग करना जरूरी

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने कूड़ा प्रबंधन को लेकर एनसीआर के राज्यों से जवाब तलब किया है। अदालत ने सोमवार को कहा कि कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि ठोस कूड़ा प्रबंधन 2016 के नियमों का पालन न होने से देश के कई शहर प्रभावित हो रहे हैं।

पीठ ने कहा कि हम देख रहे हैं स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन ठोस कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन किए बिना शहरों को स्मार्ट कैसे बनाया जा सकता है? कोर्ट ने एनसीआर में आने वाले राज्य दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन न करने पप जवाब मांगा।

इस पीठ ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना सही है कि कूड़े को स्रोत पर ही अलग-अलग कर देना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने एनसीआर के सभी राज्यों को ठोस कूड़ा प्रबंधन नियम 2016 के तहत मार्च के अंत तक हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि राज्य समयसीमा को ध्यान में रखते हुए कार्यदायी संस्थाओं के साथ मिलकर योजना तैयार करें। हलफनामे में एनसीआर की सभी शहरी निकायो के प्रयासों की भी जानकारी दी जाए। अधिकारी ठोस कचरा प्रबंधन के लिए सभी उचित उपाय और अभियान चलाएं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी मांगी रिपोर्ट

कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजनाओं के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि रोज उत्पन्न होने वाले ठोस कूड़े से निपटने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जाता है तो हम निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने को मजबूर होंगे।

दिल्ली-बिहार-बंगाल से चलने वाली कई ट्रेनें 28 तक कैंसिल

नई दिल्ली. इंडियन रेलवे ने दिल्ली, बिहार-झारखंड, पश्चिम बंगाल से चलने वाली कई ट्रेनों को 28 फरवरी तक कैंसिल कर दिया है। कैंसिल की गईं इन ट्रेनों में से कई कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल, टुंडला-हावड़ा स्पेशल ट्रेनें हैं तो वहीं इनमें नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस और कालका-हावड़ा नेताजी एक्सप्रेस जैसी रेगुलर ट्रेनें भी शामिल हैं। अगर आपने भी कहीं जाने का प्लान किया है तो घर से निकलने से पहले कैंसिल की गईं इन ट्रेनों की पूरी लिस्ट चेक कर लें। बिहार के मुजफ्फरपुर से चलने वाली कई ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने रविवार को ये जानकारी दी और कहा कि पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से गुजरने वाली 19 ट्रेनों को रद कर दिया गया है।

जंगलराज वाले दे रहे महाकुंभ को गाली

> भागलपुर में बोले पीएम मोदी

मुंबई.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के भागलपुर पहुंचे हैं. पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया. पीएम मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना लाडला बताया. यही नहीं प्रयागराज महाकुंभ को लेकर पीएम मोदी ने लालु यादव पर भी निशाना साधा. पीएम मोदी ने महाकुंभ महोत्सव को लेकर कहा कि महाकुंभ जारी है, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं, राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं. महाकुंभ को कोसने वाले को बिहार कभी माफ नहीं करेगा. हुआ कुछ यूं था कि कुछ दिनों पहले लालू यादव ने कुंभ को लेकर कहा था, "कुंभ का क्या मतलब है.

महाकुंभ को लेकर पीएम ने कहा, "महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना अपने आप में बड़ा सौभाग्य है. इस धरती में आस्था भी है विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य भी है. ये शहीद तिलकामांझी की धरती है. ये सिल्क सिटी भी है. बाबा अजगैबीनाथ की इस पावन धरा में इस समय महाशिवरात्रि की भी खूब तैयारियां चल रही हैं. ऐसे पवित्र समय में मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों भेजने का सौभाग्य मिला है.

भागलपुर में पीएम मोदी ने कहा "मैंने लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं. ये स्तंभ हैं- गरीब, किसान, महिला और नौजवान. एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है. लालू यादव पर निशाना साधते हुए पीएम मोगी बोले, "पहले किसान संकट से घिरा रहता था, जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं वो इन स्थितियों को कभी नहीं बदल सकते. एनडीए सरकार ने इस स्थिति को बदला है. बीते सालों में हमने सैकड़ों आधुनिक किस्म के बीज किसानों को दिए हैं. पहले यूरिया के लिए किसान लाठी खाता था और यूरिया की कालाबाजारी होती थी. आज किसानों को पर्याप्त खाद मिलती है.

पैसे दुगुने करने का झांसा देकर 200 लोगों से 5 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली. ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने 200 लोगों से 5 करोड़ रुपये की ठगी की. आरोपी धनंजय साहू ने अपनी कंपनी म्यूचुअल एलायंस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के जरिए लोगों से पैसे लिए और 10 महीनों में रकम दोगुनी करने का झांसा दिया. यह ठगी 2020 और 2021 के दौरान हुई थी. जाजपुर जिले के गोविंद चंद्र साहू की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और 21 फरवरी को हैदराबाद से आरोपी को गिरफ्तार किया. उसे सोमवार को ट्रांजिट रिमांड पर भुवनेश्वर लाया गया. पुलिस ने उसके पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, बैंक दस्तावेज और पासपोर्ट जब्त किए हैं. मामले की जांच जारी है.

कंपनी का ऑफिस बंद कर हुआ फरार

निवेशक मुख्य रूप से कटक, खुर्दा, जाजपुर, भद्रक, क्योंझर और मयूरभंज जिलों से थे. शुरुआत में साहू ने निवेशकों को मामूली रिटर्न दिया, लेकिन बाद में पेमेंट बंद कर दिया और अपनी कंपनी का दफ्तर बंद कर फरार हो गया.

दिल्ली में यमुना की सफाई एक बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली. नई सरकार बन गई है। बीजेपी की रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनी हैं। रेखा गुप्ता को दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद संभाले हुए 5 दिन हो गए हैं। उन्होंने पांच बड़े फैसले भी ले लिए हैं। चाहे यमुना की सफाई का मुद्दा हो या फिर टूटी सड़कों का मुद्दा हो, इन सब पर सरकार ने काम शुरू कर दिया है। आईए जानते हैं रेखा गुप्ता सरकार के 5 दिन में 5 बड़े फैसले। दिल्ली में यमुना की सफाई एक बड़ा मुद्दा था। नई सरकार का गठन होते ही रेखा गुप्ता अपने सभी मंत्रियों के साथ यमुना आरती में शामिल होने के लिए पहुंची थी। नतीजों के आने के बाद ही एलजी के आदेश पर यमुना की सफाई शुरू हो गई थी।

कैबिनेट ने 1.22 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

दिसपुर.

असम की राजधानी गुवाहाटी में मंगलवार और बुधवार को होने वाले एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन से पहले निवेश के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गए हैं। असम मंत्रिमंडल ने ऐसे ही 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी।

शिखर सम्मेलन की शुरुआत राज्य मंत्रिमंडल द्वारा 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दिए जाने के साथ होगी और एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के दिनों में यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संवाददाताओं को बताया कि मंत्रिमंडल ने लगभग 35,000 से 45,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल को इन निवेश प्रस्तावों में अधिक मजबूती नहीं दिखाई दी। इसी कारण से इन्हें खारिज कर दिया गया। निरस्त किए गए प्रस्ताव ठोस तरीके से पेश नहीं किए थे। इसी कारण से हम उसे एमओयू के लिए नहीं ले रहे हैं। हम बाद में उनके साथ इस पर चर्चा करेंगे। हम लोगों के बीच अनावश्यक उत्साह पैदा नहीं करना चाहते। हम बहुत ही तर्कसंगत होकर काम कर रहे हैं।

लगातार मिल रहे निवेश प्रस्ताव

सरकार की गंभीरता के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि हम प्रस्तावों की बारीकी से जांच करेंगे। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन में बोलने वाले बड़े व्यापारिक नेताओं से भी निवेश की घोषणा की उम्मीद है। एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के दौरान समानांतर रूप से छोटे निवेशों के लिए जिला स्तर पर लगभग 2,600 सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

कोलकाता में 3 लाश मिली, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

कोलकाता. 23 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जिस दिन तीनों की लाश मिली, उसी दिन दोनों महिलाओं के पतियों की कार का एक्सीडेंट हुआ।

तेलंगाना सुरंग में फंसे मजदूरों के बचने के आसार बेहद कम

हैदराबाद.

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग के अंदर पिछले 48 घंटे से 8 मजदूर फंसे हुए हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान तेज हो गया है। फंसे लोगों में 2 इंजीनियर भी हैं। रेस्क्यू के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, फायर सर्विसेज डिपार्टमेंट और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की तीन टीमें जी जान से जुटी हुई हैं।

इस बीच बचाव कार्य में अब साल 2023 के उत्तराखंड के बहुचर्चित सिलक्यारा सुरंग हादसे के बाद चमत्कारिक रेस्क्यू करने वाली टीम के 6 सदस्य भी एसएलबीसी टनल में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हो चुके हैं।

तेलंगाना सरकार के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि हादसा सुरंग के मुहाने से करीब 13 किलोमीटर दूर हुआ है।

रेस्क्यू टीम फंसे हुए लोगों से 100 मीटर दूर है। लेकिन पानी और कीचड़ की वजह से ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। मजदूरों के बचने के आसार बेहद कम हैं। हमारी कोशिश जारी है।

रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई सिलक्यारा टनल वाली टीम

रिसाव को ठीक करने में जुटे थे मजदूर

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में 44 किमी लंबी सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग में करीब 14 किमी अंदर पानी का रिसाव हो रहा था। मजदूरों और इंजीनियरों की एक टीम इसे रोकने में जुटी थी। तभी सुरंग का करीब तीन मीटर लंबा हिस्सा ढह गया। 4 मजदूर और सुरंग बनाने वाली कंपनी के चार कर्मचारी अंदर फंस गए हैं। हादसे के वक्त मौके पर कुल 50 लोग मौजूद थे। हालांकि बाकी लोग वहां से बचकर निकलने में कामयाब रहे। बता दें कि हादसे से चार दिन पहले ही सुरंग निर्माण का काम दोबारा शुरू किया गया था।

नेता प्रतिपक्ष अब समाजवादी से सनातनी हो गए हैं

> सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता समाजवादी से सनातन धर्म को अपनाने लगे हैं। चर्चा में 146 सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिसमें सत्ता पक्ष के 98 और विपक्ष के 48 सदस्य शामिल थे। सीएम योगी ने कहा, "यह देखकर अच्छा लगा कि विपक्ष के नेता अब सनातन धर्म को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को भी इस बारे में बताया।

संवैधानिक मूल्यों के प्रति विपक्ष के रवैये की आलोचना करते हुए योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के प्रति उनके व्यवहार और टिप्पणियों पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, "आप हमेशा संविधान को अपने साथ लेकर चलते हैं, लेकिन क्या राज्यपाल के प्रति आपका व्यवहार संवैधानिक है? अगर यह संवैधानिक है, तो फिर असंवैधानिक क्या है?" विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "आप लंबे-लंबे भाषण देते हैं, लेकिन अगर कोई आपकी असली सोच और भाषा देखना चाहता है, तो उसे समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल की जांच करनी चाहिए। आप दूसरों को उपदेश देते हैं, लेकिन आत्मनिरीक्षण करने में विफल रहते हैं।" सीएम योगी ने महाकुंभ के भव्य आयोजन और इसकी वैश्विक मान्यता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, "महाकुंभ और अयोध्या पर चर्चा हुई। मुझे खुशी है कि विपक्ष ने अब महाकुंभ और अयोध्या को स्वीकार कर लिया है। हकीकत यह है कि समाजवादियों को धर्म की याद तभी आती है जब वे खुद को राजनीतिक अस्तित्व के आखिरी पड़ाव पर पाते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "इस बार आपने महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई और व्यवस्थाओं की तारीफ भी की। अगर महाकुंभ में विश्वस्तरीय सुविधाएं नहीं होतीं तो 63 करोड़ श्रद्धालु कैसे आते? 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ से अधिक हो जाएगी।"

जलवायु परिवर्तन से प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

नई दिल्ली.

बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कृषि एवं आवासीय कर्ज के 30 फीसदी हिस्से के डूबने का जोखिम है। बीसीजी की एक विश्लेषण रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इस कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित लोगों की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज, प्रकृति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र पर काफी हद तक निर्भर है। इसलिए, कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 फीसदी जिलों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं, जिससे लोगों की कमाई पर असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के भौतिक जोखिम व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

आईपीओ लॉन्च करने के मामले में 2024 में ग्लोबल लीडर बन गया भारत

> कंपनियों ने जुटाए 19 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली.

भारत का आईपीओ मार्केट के साल 2024 में ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है. दुनिया में साल 2024 में लॉन्च हुए आईपीओ भारत की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत रही है. एक रिपोर्ट के जरिए ये जानकारी सामने आई है. इंडस वैली एनुअल रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, भारत में 2024 में कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से 19.5 अरब डॉलर का फंड जुटाया है. बीते वर्ष देश में 268 आईपीओ आए थे, जिनमें 90 मेनबोर्ड और 178 एसएमई शामिल है.

साल 2024 में भारत का सबसे बड़ा आईपीओ हुंडई मोटर इंडिया लेकर आई जिसका इश्यू साइज 27,870 करोड़ रुपये का था. यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ था. वहीं, बीते साल यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ भी था. रिपोर्ट में बताया गया कि वेंचर कैपिटलिस्ट की भारतीय आईपीओ मार्केट में रुचि बढ़ी है. इसकी वजह वेंचर द्वारा फंडिंग कई कंपनियों का सफलतापूर्वक लिस्ट होना है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 के बाद वेंचर समर्थित आईपीओ द्वारा जुटाई गई धनराशि 2021 से पहले सभी वेंचर समर्थित आईपीओ द्वारा जुटाई गई कुल राशि की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई है. एसएमई सेक्टर के आईपीओ में भी मजबूत वृद्धि देखी गई है. 2012 के बाद से एसएमई आईपीओ का औसत बाजार पूंजीकरण 4.5 गुना बढ़ गया है, जो 2024 में लगभग 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

इसके अतिरिक्त आईपीओ के समय एसएमई कंपनियों का औसत राजस्व तीन गुना होकर 70 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि क्विक कॉमर्स सेक्टर में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है. वित्त वर्ष 25 में इसका आकार 7.1 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो कि वित्त वर्ष 22 में 300 मिलियन डॉलर था. यह तेजी से विस्तार इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, बदलती जीवनशैली और प्लेटफार्मों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण तत्काल डिलीवरी के प्रति उपभोक्ता की प्राथमिकताओं में बदलाव को दर्शाता है. रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक होने वाली कंपनियों के औसत बाजार पूंजीकरण में बीते कुछ वर्षों में गिरावट देखी गई है. 2021 में औसत मार्केट कैप 3,800 करोड़ रुपये था, जो 2022 में गिरकर 3,000 करोड़ रुपये हो गया और 2023 में और गिरकर 2,770 करोड़ रुपये हो गया है.

अमेज़न इंडिया ने 'अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर' कार्यक्रम का विस्तार किया

मुंबई.

अमेज़न इंडिया ने आज महाराष्ट्र में अपने 'अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर प्रोग्राम के विस्तार की घोषणा की। इसके माध्यम से, कंपनी राज्य भर के छात्रों के लिए कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा को सुलभ बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रही है। पहले इस कार्यक्रम के तहत लगभग 6,000 छात्रों और 7,000 शिक्षकों तक कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा पहुँचाई गई थी, लेकिन अब इसका विस्तार 18 जिलों में हो चुका है, जिसमें 11,000 से अधिक छात्रों और 24,000 शिक्षकों तक यह पहुँच चुकी है। इन जिलों में अहमदनगर, अमरावती, औरंगाबाद, बिड, चंद्रपुर, कोल्हापुर, लातूर, मुंबई, नागपुर, नांदेड़, नासिक, पुणे, रायगढ़, रत्नागिरी, सतारा, सिंधुदुर्ग, सोलापुर और ठाणे शामिल हैं।

अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर प्रोग्राम, जो कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, कोडिंग और 21वीं सदी के डिजिटल कौशल पर जोर देता है, शिक्षकों को कंप्यूटर विज्ञान को प्रभावी तरीके से सिखाने के लिए आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल दुनिया में करियर के लिए तैयार करना है। अमेज़न इंडिया में अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर प्रमुख, अक्षय कश्यप ने कहा, "हम महाराष्ट्र में अपने कार्यक्रम के विस्तार से बेहद रोमांचित हैं। इसके तहत हम छात्रों और शिक्षकों को भविष्य के करियर के लिए आवश्यक डिजिटल कौशल से लैस कर रहे हैं। हमारा मानना है कि कंप्यूटर विज्ञान की शिक्षा किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर कार्यक्रम स्थानीय शिक्षा विभागों, गैर-लाभकारी संगठनों और स्कूल प्रशासन के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वंचित और सरकारी स्कूलों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा प्राप्त हो।

भारती एयरटेल और एप्पल की रणनीतिक साझेदारी

> पोस्टपेड ग्राहकों को मिलेगा एक्सक्लूसिव ऑफर

नई दिल्ली.

भारती एयरटेल और एप्पल ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत एयरटेल ग्राहकों को एप्पल टीवी और एप्पल म्यूजिक की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ₹99 से शुरू होने वाले सभी होम वाई-फाई प्लान्स के ग्राहकों को एप्पल टीवी+ के बेहतरीन कॉन्टेन्ट का एक्सेस मिलेगा, जिसे वे चलते-फिरते भी मल्टीपल डिवाइसेस पर स्ट्रीम कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ₹99 या उससे अधिक के पोस्टपेड प्लान वाले ग्राहकों को एप्पल टीवी+ की सुविधा मिलेगी और वे 6 महीने तक फ्री एप्पल म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संगीत का विशाल संग्रह उपलब्ध होगा।

इस रणनीतिक साझेदारी के तहत एयरटेल ग्राहक अब विशेष रूप से एप्पल टीवी+ के प्रीमियम और आकर्षक ड्रामा, कॉमेडी सीरीज़, फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्रीज़, बच्चों और परिवार के लिए मनोरंजक कॉन्टेन्ट का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही, एप्पल म्यूजिक की अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भाषाओं में मौजूद अद्वितीय म्यूजिक लाइब्रेरी, एक शानदार ऑडियो अनुभव प्रदान करेगी।

सिद्धार्थ शर्मा – चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर और सीईओ – कनेक्टेड होम्स, भारती एयरटेल ने कहा, "हम एप्पल के साथ इस बड़े बदलाव की शुरुआत करने वाली साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जिससे हमारे ग्राहकों को उनकी शानदार वीडियो और म्यूजिक सेवाओं का एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा। यह साझेदारी हमारे लाखों होम वाई-फाई और पोस्टपेड ग्राहकों के लिए एक असाधारण मौक़ा है, जिससे उन्हें एप्पल के प्रीमियम कॉन्टेन्ट का अनुभव मिलेगा। हमें विश्वास है कि यह सहयोग कॉन्टेन्ट की दुनिया को नए अंदाज में सबके सामने लाएगा और ग्राहकों के लिए मनोरंजन अनुभवों का एक नया मानक स्थापित करेगा।

शालिनी पोद्दार, निदेशक – कॉन्टेन्ट और सेवाएं, एप्पल इंडिया ने कहा, "हम एयरटेल के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं, जिससे हमारा बेहतरीन क्वालिटी वाला संगीत, प्रीमियम टीवी सीरीज़ और फ़िल्में लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगी। यह साझेदारी हमारे रणनीतिक लक्ष्य के अनुसार बिल्कुल सटीक है, जो अवॉर्ड विजेता कॉन्टेन्ट, कहानियों और मनोरंजन को सभी के लिए आसानी से उपलब्ध कराना है।

इस साझेदारी के माध्यम से, ग्राहक एप्पल टीवी+ के सभी ओरिजिनल सीरीज़ और फ़िल्मों का विज्ञापन के बग़ैर आनंद उठा सकते हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड जीती हुई हिट सीरीज़ जैसे "टेड लैसो," "सेवेरेंस," "द मॉर्निंग शो," "स्लो हॉर्सेस," "साइलो," "श्रिंकिंग" और "डिस्क्लेमर", आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वे "वॉल्फ्स" और "द गॉर्ज" जैसी नवीनतम फ़िल्में भी देख सकेंगे।

6 महीने तक मुफ्त एप्पल म्यूजिक का लाभ मिलेगा

6 महीने तक मुफ्त एप्पल म्यूजिक का लाभ मिलेगा, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संगीत का विशाल संग्रह, क्यूरेटेड प्लेलिस्ट, आर्टिस्ट इंटरव्यू, एप्पल म्यूजिक रेडियो, एप्पल म्यूजिक सिंग, टाइम-सिंक्ड लिरिक्स, लॉसलेस ऑडियो और इमर्शिसिव स्पेयटील ऑडियो जैसी रोमांचिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।एप्पल टीवी और एप्पल म्यूजिक के जुड़ने से, अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, ज़ी5, और जियो हॉटस्टार जैसी प्रमुख स्ट्रीमिंग सेवाओं के साथ, एयरटेल वाई-फाई ग्राहकों को अब मनोरंजन के असीमित विकल्प मिलेंगे। यह एयरटेल की डिजिटल लाइफस्टाइल सेवाओं में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा और ग्राहकों को एक समग्र और समृद्ध मनोरंजन अनुभव प्रदान करेगा।

भारत के ऊर्जा-भविष्य को मिली नई दिशा

नई दिल्ली.

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में अपनी यात्रा तेज कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वैसे-वैसे बिजली क्षेत्र की भूमिका आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस बदलते परिदृश्य में, आईईईएमए (इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन) ने आज ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिकल शो इलेक्रामा 2025 की भव्य शुरुआत की।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, भारत के माननीय मिनिस्टर ऑफ पावर एंड हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स मनोहर लाल खट्टर ने ऊर्जा सुरक्षा, ग्रिड आधुनिकीकरण और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो राष्ट्र के विकसित भारत 2047 के लॉन्ग टर्म विजन के अनुरूप है। उन्होंने कहा, "बिजली क्षेत्र से मिल रहे समर्थन के दम पर भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिहाज से अच्छी स्थिति में है। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार, ग्रिड आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने और ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत 200 गीगावाट से ज्यादा रिन्युएबल एनर्जी क्षमता स्थापित करने और 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य के साथ, स्थायी ऊर्जा को अपनाने में खासी प्रगति कर रहा है। ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर और व्हीकल-टू-ग्रिड (वी2जी) तकनीक के विस्तार से ई-मोबिलिटी की ओर बदलाव में और तेजी आएगी। 2030 तक, भारत का लक्ष्य 800 गीगावाट उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जिसमें 50% हिस्सेदारी रिन्युएबल एनर्जी की होगी। इससे वैश्विक स्तर पर क्लीन एनर्जी लीडर के रूप में भारत की भूमिका को मजबूती मिलेगी। मैं इलेक्रामा 2025 के आयोजन के लिए आईईईएमए की सराहना करता हूं, जो डिजिटल परिवर्तन और स्थिरता को प्रोत्साहन देने के लिए इंडस्ट्री लीडर्स, इनोवेटर्स और नीति निर्माताओं को एक साथ लाने वाला एक प्रमुख मंच है। इससे ऊर्जा नवाचार और आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।"

अपने 16वें संस्करण के आगाज के साथ, इलेक्रामा 2025 एनर्जी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऑटोमेशन और एआई आधारित पावर सिस्टम्स से जुड़े आधुनिक नवाचार प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में खासा प्रभावित करने वाली बी2बी बैठकें, थॉट लीडरशिप सेशन और पॉलिसी डायलॉग भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे वैश्विक और भारतीय हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इलेक्रामा 2025 के शुभारंभ के अवसर पर, श्नाइडर इलेक्ट्रिक के सीईओ श्री ओलिवर ब्लूम ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा, "एआई, डेटा सेंटर और औद्योगिक विकास के तेज़ी से विस्तार के साथ एडवांस एनर्जी सॉल्युशंस की जरूरत बढ़ती जा रही है। अपने मज़बूत विनिर्माण आधार, कुशल कार्यबल और स्थिरता पर पर्याप्त जोर के साथ, भारत एनर्जी ट्रांजिशन के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। आईईईएमए द्वारा आयोजित इलेक्रामा 2025, नवाचारों को प्रदर्शित करने, नए इंडस्ट्री बेंचमार्क स्थापित करने और वैश्विक साझेदारी विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा जिससे विद्युतीकरण के भविष्य को नई दिशा मिलेगी।"

इस आयोजन के महत्व पर जोर देते हुए, आईईईएमए के प्रेसिडेंट सुनील सिंघवी ने कहा, "भारत का बिजली क्षेत्र व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जो दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत नीतिगत पहलों और उद्योग जगत के सहयोग से प्रेरित है। राष्ट्र ने पहले ही 210 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन को हासिल कर लिया है और अब एक स्पष्ट रोडमैप के साथ, हम 2030 तक 500 गीगावाट तक पहुंचने के लिए आश्वस्त हैं। भारत ईवी विनिर्माण और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभर रहा है, जिससे सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्युशंस के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूती मिलती है। जैसे-जैसे वैश्वित स्तर पर सप्लाई चेन बदल रही हैं, वैसे-वैसे भारत एनर्जी सेक्टर में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हो रहा है, जो इनोवेशन, विश्वसनीयता और विश्व स्तरीय गुणवत्ता प्रदान करने का भरोसा दिलाता है। अपस्किलिंग, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और बाजार पहुंच बढ़ाने पर जोर के साथ, हम वैश्विक एनर्जी इकोसिस्टम में एक विश्वसनीय लीडर के रूप में भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं। इस यात्रा में, आईईईएमए द्वारा आयोजित इलेक्रामा 2025 उद्योग की भागीदारी, अपस्किलिंग और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा। वैश्विक हितधारकों को एक साथ लाकर, यह क्षेत्र के भविष्य को आकार देगा और वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।"

उद्घाटन के बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने इलेक्रामा 2025 एग्जिबिशन का दौरा किया, जिसमें उन्होंने तकनीकी प्रगति के लिहाज से 51 प्रतिभाशाली स्टार्टअप्स के साथ बातचीत की। 1,000 से अधिक एग्जिबिटर्स और प्रमुख कंपनियों की भागीदारी के साथ इलेक्रामा बेहतरीन प्रौद्योगिकियों, सॉल्युशंस और गहरी समझ को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम में 400,000 से अधिक बिजनेस विजिटर्स के आने की उम्मीद है, जिससे यह इलेक्ट्रिकल उद्योग के पेशेवरों का सबसे बड़ा कार्यक्रम बन जाएगा।

सरकारी कर्मचारियों की बढ़ेगी सैलरी

नई दिल्ली.

सरकारी कर्मचारी लंबे समय से 8 वें वेतन आयोग की डिमांड कर रहे थे. वहीं, हाल ही में बजट 2025 से पहले नरेंद्र मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को तोहफा देते हुए 8 वें वेतन आयोग का ऐलान कर दिया. सरकार ने जब से ऐलान कर दिया तब से ही इस बात को लेकर काफी चर्चा हो रही है कि 8 वें वेतन आयोग के लागू होने से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी पर कितना असर पड़ेगा. उनकी सैलरी कितनी बढ़ेगी, 8 वें वेतन आयोग में सैलरी कैसे तय होगी. चलिए आपको इन सभी सवालों के बारे में विस्तार से बताते हैं. फिटमेंट फैक्टर सभी सलाह के आधार पर 2.86 प्रतिशत हो सकता है. 7 वें वेतन आयोग के दौरान फिटमेंट फैक्टर 2.57 प्रतिशत था. ऐसे में इस बार इससे कम नहीं होना चाहिए. इसके अलावा स्टाफ ने यह भी कहा है कि लेवल 1 हो या 6, सभी के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर भी अपनाया जाना चाहिए. 7 वें वेतन आयोग के दौरान लेवल 1 के लिए फिटमेंट फैक्टर 2.57 प्रतिशत था.

वहीं, लेवल 2 के लिए फिटमेंट फैक्टर 2.63 प्रतिशत लेवल 3 के लिए 2.67 प्रतिशत और लेवल 4 के लिए 2.72 प्रतिशत था. उच्च स्तर पर 7 वें वेतन आयोग के लिए फिटमेंट फैक्टर 2.81 प्रतिशत था. लेवल 1 कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मासिक वेतन 18 हजार रुपए हो सकती है. फिटमेंट फैक्टर 1.92 प्रतिशत पर न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए से बढ़कर 34650 रुपए हो सकता है, फिटमेंट फैक्टर 2.08 पर न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए से बढ़कर 37440 रुपए हो सकता है, फिटमेंट फैक्टर 2.86 प्रतिशत पर न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए से बढ़कर 51480 रुपए हो सकता है. इतना ही नहीं उच्च वेतन ग्रेड पर कर्मचारियों को अधिक वेतन मिलेगा.सरकारी कर्मचारियों के वेतनमान 1 से 6 को विलय करने का सुझाव दिया गया है. मान लीजिए अगर ऐसा होता है तो वेतन ग्रेड काफी अधिक सरल हो जाएंगे. राष्ट्रीय संयुक्त परामर्श तंत्र ने लेवल 1 के कर्मचारियों को लेवल 2,लेवल 3 को लेवल 4 और लेवल 5 को लेवल 6 में विलय करने की सिफारिश की है.

महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत दर सोमवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 08 | सोडत दिनांक 24/02/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — SL-04 : 4256

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 4256 — श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई; श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1425	3417	5186	6425	6428	6688
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1759	2140	2577	3309	3485	6127
चौथे बक्षिस रु. 500/-	2129	2490	3999	5652	6064	6349
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	2596	3099	4223	4763	5356	5884

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु.100/- (सर्व मालिकांसाठी)													
		1952	2297	2828	3244	3593	4135	4456	4828	5255	5772	6166	6633
		1969	2310	2843	3248	3594	4153	4459	4830	5267	5778	6176	6636
1000	1517	1974	2319	2853	3263	3597	4188	4466	4841	5277	5788	6178	6637
1007	1520	1981	2320	2855	3267	3613	4194	4471	4844	5278	5800	6189	6640
1013	1521	1982	2325	2873	3268	3639	4204	4474	4869	5279	5838	6206	6652
1017	1553	1986	2359	2879	3283	3644	4224	4494	4874	5291	5851	6227	6662
1026	1554	1989	2377	2899	3288	3653	4233	4504	4882	5333	5853	6260	6664
1038	1569	1990	2390	2902	3289	3689	4245	4523	4893	5344	5854	6269	6667
1101	1641	1995	2402	2908	3293	3703	4279	4532	4928	5352	5880	6288	6674
1113	1671	2001	2408	2912	3297	3708	4283	4534	4935	5357	5885	6297	6676
1130	1691	2016	2452	2923	3303	3733	4299	4536	4938	5378	5888	6326	6679
1131	1708	2027	2476	2926	3322	3740	4300	4543	4941	5405	5904	6333	6689
1161	1725	2029	2480	2931	3324	3760	4326	4547	4949	5415	5918	6350	6690
1162	1727	2047	2482	2938	3325	3821	4333	4549	4953	5477	5925	6362	6691
1165	1735	2052	2532	2939	3333	3823	4341	4570	4973	5509	5956	6374	6697
1173	1738	2072	2543	2962	3339	3832	4346	4587	4984	5510	5957	6379	6706
1178	1746	2088	2554	2982	3345	3833	4360	4588	4987	5521	5985	6397	6718
1180	1791	2094	2564	2985	3346	3837	4361	4604	4994	5530	5995	6414	6726
1190	1801	2102	2618	3018	3351	3842	4369	4621	5000	5531	5997	6450	6746
1196	1803	2109	2664	3032	3381	3864	4398	4629	5013	5533	6000	6457	6761
1199	1809	2136	2677	3034	3386	3890	4399	4642	5027	5541	6005	6462	6776
1201	1810	2138	2720	3038	3387	3932	4401	4649	5050	5546	6027	6464	6786
1214	1811	2160	2721	3039	3391	3953	4404	4686	5058	5558	6044	6469	6795
1218	1814	2162	2722	3052	3393	3954	4407	4687	5060	5578	6061	6476	6796
1263	1815	2207	2727	3065	3399	3984	4417	4740	5109	5580	6067	6486	6806
1270	1816	2209	2729	3082	3401	4004	4418	4743	5125	5588	6069	6500	6865
1311	1817	2215	2771	3099	3403	4027	4419	4745	5126	5591	6074	6514	6897
1328	1821	2218	2775	3138	3418	4029	4429	4748	5139	5598	6080	6524	6906
1332	1835	2227	2782	3148	3422	4041	4431	4761	5143	5622	6086	6530	6916
1351	1842	2229	2787	3153	3453	4047	4432	4762	5162	5635	6087	6546	6932
1367	1854	2237	2792	3179	3474	4081	4437	4765	5170	5647	6130	6568	6941
1371	1889	2246	2798	3187	3478	4089	4439	4774	5176	5653	6135	6584	6961
1378	1911	2248	2808	3192	3483	4106	4442	4784	5196	5678	6136	6598	6969
1411	1912	2269	2821	3232	3516	4116	4446	4806	5215	5685	6137	6605	6992
1447	1919	2286	2826	3234	3541	4127	4447	4808	5229	5687	6144	6607	6996
1471	1943	2287	2827	3237	3548	4134	4448	4810	5236	5695	6149	6622	6999

महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख — तिकीटाची किंमत ₹200/-

सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 24/02/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत संध्या. 5:00

सोडत दर शनिवार • सोडत क्रमांक 08 • तिकिट किं. रु.10/- • सोडत दिनांक 22/02/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — MG-00 : 7642

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 7104 — गजानन लॉटरी सेंटर, बुलडाणा

तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 3065 | 3974 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई | 4912 ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे | 4922 बारड लॉटरी सेंटर, सोलापूर | 6042 किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

चौथे बक्षिस रु.								
400/-	1992	2471	3388	4504	5179	6067	7147	7907
1088	2025	2522	3510	4553	5202	6088	7257	7967
1100	2126	2812	3722	4829	5371	6207	7275	8063
1117	2203	2836	3723	4871	5415	6220	7373	8210
1182	2204	2902	3876	4947	5557	6601	7378	8350
1206	2280	2925	4216	4978	5778	6684	7477	8850
1731	2327	2940	4347	4991	5813	6936	7585	8889
1882	2402	3216	4427	5150	6011	6939	7653	8900
1898	2469	3385	4493	5159	6033	7070	7708	8902

महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख — तिकीटाची किंमत ₹200/-

गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी सोडत दिनांक 22/02/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 08 • तिकिट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 24/02/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — SL-01 : 4998

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 4255

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 2398 (कपिल लॉटरी, कोल्हापूर) | 4048 | 4580

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1296	2128	3135	3735	5379
1324	2480	3324	3970	5501
1358	2499	3367	4160	5559
1399	2520	3386	4404	5563
1506	2526	3474	4464	5615
1549	2527	3602	4492	5654
2090	2978	3606	4609	5697
2112	2989	3637	4964	5898

महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख — तिकीटाची किंमत ₹200/-

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे.• प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 24/02/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 08 • तिकिट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 24/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	3449	4020	3773	0340 (रॉयल एजन्सी - आंकली)	4508

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 0808 (पवार लॉटरी - ठाणे) | 5464

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 4255 | 5237 | 9229 | 9250 | 9685

चौथे बक्षिस रु. 1000/- — 0084 | 0111 | 1489 | 1596 | 2654 | 2836 | 4968 | 6365 | 7073 | 7170

पाचवे बक्षिस रु. 500/- — 0275 | 1616 | 2693 | 2745 | 4600 | 4668 | 6000 | 6653 | 8372 | 9593

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0776	1654	2260	3323	4198	5343	6126	7207	8083	8981
	0851	1665	2261	3331	4203	5398	6127	7342	8197	9025
0003	0891	1671	2262	3334	4227	5405	6401	7370	8242	9029
0005	0985	1705	2272	3351	4402	5465	6425	7376	8300	9037
0007	1033	1713	2273	3370	4407	5529	6444	7396	8338	9094
0026	1102	1760	2302	3397	4414	5531	6461	7408	8374	9164
0032	1106	1776	2355	3423	4463	5543	6481	7501	8399	9203
0064	1117	1876	2378	3453	4487	5555	6592	7521	8432	9240
0093	1140	1924	2382	3555	4502	5573	6620	7567	8450	9299
0141	1160	1959	2527	3563	4548	5575	6628	7627	8488	9336
0250	1161	2025	2532	3643	4554	5581	6642	7637	8530	9349
0440	1170	2102	2602	3743	4573	5654	6644	7688	8554	9389
0450	1172	2116	2746	3761	4694	5662	6648	7696	8562	9418
0518	1176	2122	2782	3773	4843	5665	6651	7710	8573	9455
0535	1179	2211	2941	3954	4904	5670	6861	7800	8631	9701
0600	1341	2214	3033	3971	4927	5839	6917	7906	8647	9748
0630	1358	2233	3288	4044	5056	5926	6944	7964	8686	9927
0720	1360	2252	3293	4087	5111	5997	6977	7975	8888	9948
0732	1589	2258	3311	4163	5336	6010	7042	7980	8889	9977

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 25/02/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. ₹ 14 लाख — दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) — तिकीट किंमत ₹20/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी सोडत दिनांक 24/02/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

संजय शिरसाट का विपक्ष पर हमला

>राउत की पवार पर टिप्पणी की निंदा

मुंबई.

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने सोमवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर टिप्पणी की निंदा की. उन्होंने शिवसेना नेता नीलम गोरे के उद्धव की पार्टी पर पद के बदले मर्सिडीज के आरोपों का भी जवाब दिया. संजय शिरसाट ने नीलम गोरे का समर्थन करते हुए कहा कि ये मर्सिडीज से भी बड़ी चीजें हैं. टिकट पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं बल्कि दूसरों को बांटे गए, ऐसी चीजें मुफ्त में नहीं होती हैं.

मंत्री संजय शिरसाट ने संजय राउत की शरद पवार पर टिप्पणी को लेकर उद्धव गुट पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि ईडी ने शरद पवार को नोटिस दिया था, तब आप (उद्धव गुट) कहां थे? जब चीजें आपके खिलाफ जाती हैं, तो क्या आपको लोगों के समर्थन की जरूरत होती है?

आपने उनके कंधों पर सरकार बनाई, लेकिन उनके कार्यकाल में उनका फोन तक नहीं उठाया. शिरसाट ने कहा कि संजय राउत द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द स्वीकार्य नहीं हैं.

दरअसल, पिछले हफ्ते एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार ने दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जमकर तारीफ की और उन्हें महादजी शिंदे राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया. वहीं, इसको लेकर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शिंदे के साथ शरद पवार को भी निशाने पर ले लिया.

अविभाजित शिवसेना पद के बदले मर्सिडीज लेती थी

वहीं, शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि शरद पवार पर संजय राउत द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द अस्वीकार्य है. यह सिर्फ हम ही नहीं, बल्कि कई नेताओं ने वही कहा है जो आज नीलम ताई ने कहा है. वहीं, पद के बदले मर्सिडीज वाले बयान पर कहा, सिर्फ मर्सिडीज की बात नहीं है, मर्सिडीज से भी बड़ी बातें हैं. राज ठाकरे ने भी कहा था कि उन्हें खोखा नहीं, बल्कि कंटेनर चाहिए, उस पर जवाब क्यों नहीं दिया गया?

छात्रा के यौन उत्पीड़न का आरोप

> असिस्टेंड प्रफेसर ने दिया इस्तीफा

मुंबई.

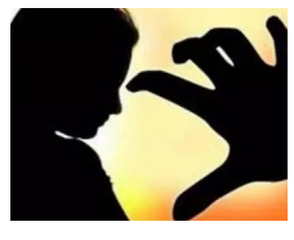

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में एक असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह घटना 20 फरवरी की है। छात्रा ने प्रफेसर पर कैंपस में जहरीला माहौल बनाने उत्पीड़न और धमकाने का भी आरोप लगाया है। इस शिकायत के एक दिन बाद ही प्रोफेसर ने इस्तीफा दे दिया। तिस्स के एक अधिकारी ने बताया कि प्रोफेसर ने अपने इस्तीफे में कहा कि वह अपने रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हालांकि, आंतरिक शिकायत समिति ने उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। प्रोफेसर संविदा पर कार्यरत थे, इसलिए उन्हें कोई औपचारिकता पूरी करने की ज़रूरत नहीं थी।

अधिकारी ने यह भी बताया कि तिस्स ने एक अलग आदेश में प्रोफेसर को जांच पूरी होने तक कैंपस में प्रवेश करने से रोक दिया है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की एक छात्रा ने एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर कैंपस में ज़हरीला माहौल बनाने, यौन उत्पीड़न और धमकाने का आरोप लगाया है।

तिस्स के एक अधिकारी ने बताया कि छात्रा ने 20 फरवरी को आंतरिक शिकायत समिति को शिकायत पत्र भेजने के एक दिन बाद ही असिस्टेंट प्रोफेसर ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आगे बताया कि आंतरिक शिकायत समिति ने एक बैठक की है। जल्द ही असिस्टेंट प्रोफेसर और शिकायतकर्ता दोनों को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा और उनसे सबूत पेश करने को कहा जाएगा।

प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी भीषण आग

वसई.

वसई पूर्व में पोमन के पास एक प्लाईवुड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। यह घटना सोमवार दोपहर करीब दो बजे घटी। नगर पालिका का अग्निशमन विभाग आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहा है। वसई पूर्व में कामन भीनवाड़ी रोड से सटे पोमन क्षेत्र में लकड़ी के दरवाजे और अन्य लकड़ी की सामग्री बनाने का कारखाना है। सोमवार दोपहर इसी फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। इस घटना से हड़कंप मच गया है। यहां के नागरिकों ने इसकी सूचना वसई विरार महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम जारी है।

फैक्ट्री में लकड़ी का सामान होने के कारण आग लग गई। इसलिए आग पर काबू पाने में दिक्कतें आ रही हैं। अग्निशमन कर्मी पिछले तीन घंटों से आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने का सटीक कारण अभी भी अज्ञात है। इससे पहले 20 दिसंबर 2024 को बापने में लकड़ी की सामग्री बनाने वाली एक फैक्ट्री में आग लग गई थी।

स्कूलों में बच्चों को नशाविरोधी शपथ दिलाई जाएगी: मंत्री पाटिल

सांगली.

पालकमंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह छात्रों में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूलों में शपथ दिलाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में छह उप पुलिस अधीक्षकों की एक कार्य समिति गठित की जा रही है।

जिले में आपराधिक गतिविधियां बढ़ गई हैं तथा हत्या के अपराध

में नाबालिगों की बढ़ती संलिप्तता चिंताजनक है तथा इस संबंध में कानून में संशोधन की आवश्यकता है। सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए, इस संबंध में स्कूली छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए, प्रस्ताव है कि छात्रों को दैनिक प्रार्थना के समय शपथ लेनी चाहिए। इस शपथ में निम्नलिखित बातें शामिल होंगी: मैं नशे में धुत्त नहीं होऊंगा तथा अपने आसपास इस मादक पदार्थ के बारे में जो कुछ भी देखूंगा, उसके बारे में अपने शिक्षकों और अभिभावकों को बताऊंगा। पालकमंत्री पाटिल ने यह भी कहा कि एक पहल लागू करने की योजना है, जिसके तहत एक शिक्षक सभी कक्षाओं को प्रतिदिन दस मिनट तक नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में मार्गदर्शन देगा और इस संबंध में एक प्रस्ताव शिक्षा विभाग को प्रस्तुत किया गया है।

जिला योजना बोर्ड आपराधिक गतिविधियों को रोकने तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को आवश्यक सभी उपकरणों के लिए धन उपलब्ध कराएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में गृह विभाग द्वारा क्या किया जा सकता है, इस पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में छह उपाधीक्षकों का एक टास्क फोर्स गठित किया गया है और यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस बार आओ. सुधीर गाडगिल, श्री. सुरेश खाड़े और जिला अध्यक्ष दीपक शिंदे उपस्थित थे।

राज और उद्धव ठाकरे की फिर हुई मुलाकात

मुंबई. राज्य नवनिर्माण सेना (मनसे) और उद्धव ठाकरे गुट को विधानसभा चुनाव में बड़ा झटका खाना पड़ा था. अब तक के चुनावों में ठाकरे गुट के सबसे कम विधायक चुने गए, जबकि मनसे अपना खाता तक नहीं खोल सकी थी. दिलचस्प बात यह है कि राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी जीतने में असफल रहे इसलिए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने की मांग जोर पकड़ रही है. कुछ लोगों ने तो दोनों भाइयों से एक साथ आने का आग्रह करते हुए बैनर भी लगाए, लेकिन उन्हें किसी भी भाई की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, फिर भी रविवार रात को एक सुखद तस्वीर देखने को मिली है.

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों भाई एक साथ नजर आए हैं. इस दौरान दोनों ने बातें कीं और ठहाके भी लगाए. ये एक शादी का अवसर था. राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मुंबई के अंधेरी में आयोजित सरकारी अधिकारी महेंद्र कल्याणकर के बेटे की शादी में शामिल हुए. उद्धव के साथ उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे और राज के साथ उनकी पत्नी शर्मिला भी मौजूद थी. उद्धव, रश्मि ठाकरे और राज ठाकरे के बीच अच्छी बातचीत हुई. इनकी मुलाकात के बाद पूछा जा रहा है कि क्या अब दोनों भाई मराठी लोगों के लिए एक साथ आएंगे?

विधानसभा चुनाव के बाद पुणे से लेकर मुंबई तक राज और उद्धव ठाकरे की एकता के बैनर लगाए गए थे. सबसे पहले ठाकरे बंधुओं को एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुणे में बैनर लगे थे. इसके बाद मुंबई स्थित शिवसेना भवन पर बैनर लगे. वहीं, मनसे नेता बाला नांदगांवकर और संदीप देशपांडे ने दोनों ठाकरे भाइयों को एक साथ लाने की कोशिश की थी.

बधिर रोगियों के लिए नि:शुल्क सर्जरी

मुंबई.

बधिरता से पीड़ित सभी आयु वर्ग के लोगों के चिकित्सकीय पुनर्वास के लिए कार्यान्वित राष्ट्रीय बधिरता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों में 6,070 मरीजों की नि:शुल्क सर्जरी की गई है, तथा इस अवधि में महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य अभियान के अंतर्गत 5,715 बधिर मरीजों को नि:शुल्क श्रवण यंत्र वितरित किए गए हैं। इस अवधि के दौरान सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर कुल 1.5 लाख बधिर रोगियों की जांच की गई।

बहरापन मानव जीवन में एक संवेदनशील बीमारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 63 मिलियन लोग

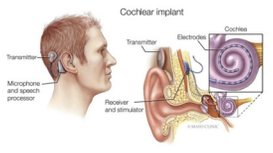

गंभीर श्रवण हानि से पीड़ित हैं। भारतीय जनसंख्या में ऐसे पीड़ितों की अनुमानित व्यापकता 6.3 प्रतिशत है। राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम का पहला चरण वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान महाराष्ट्र राज्य के आठ जिलों में क्रियान्वित किया गया था। दूसरे चरण को 2011-12 में शेष आठ जिलों में लागू किया गया और वित्तीय वर्ष 2021-22 में केंद्र सरकार ने इसे महाराष्ट्र के 18 और जिलों में लागू करना शुरू कर दिया। अतः यह कार्यक्रम वर्तमान में राज्य के कुल 34 जिला अस्पतालों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अस्पतालों एवं संबद्ध अस्पतालों में सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

राष्ट्रीय बधिरता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसमें श्रवण हानि और बहरेपन के लिए जिम्मेदार कान की समस्याओं की शीघ्र पहचान, निदान और उपचार, बहरेपन से पीड़ित सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों का चिकित्सा पुनर्वास, महात्मा ज्योतिबा फुले योजना की सहायता से जिला अस्पतालों में श्रवण यंत्र वितरित करना, रोगियों को यूडीआईडी ऑनलाइन प्रमाण पत्र और विकलांगता के लिए प्रमाण पत्र वितरित करना, कोकलियर इम्प्लांट रोगियों को पुनर्वास के लिए अगले केंद्र में रेफर करना शामिल है।

पुणे-बैंगलोर हाईवे पर भीषण हादसा

पिंपरी. पुणे-बैंगलोर हाईवे पर एक दुर्घटना का वीडियो सामने आया है। सौभाग्य से बाइक पर सवार दो लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना कार के डैश कैमरे में कैद हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार दोनों लोग कुछ दूर उछलकर गिर गए। पुणे-बेंगलुरु राजमार्ग पर हुई एक दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हादसे की भयावहता सीसीटीवी में कैद हो गई है। यह दुर्घटना पुणे-बेंगलुरु राजमार्ग पर होटल टिप-टॉप इंटरनेशनल के सामने हुई। तेज गति से आ रही कार के चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और सामने चल रहे दोपहिया वाहन चालक को टक्कर मार दी। बाइक सवार सीधे कार की ओर आया और उससे टकरा गया। टक्कर से बाइक के पीछे बैठे बाइक सवार का हेलमेट भी गिर गया।

साहित्य सम्मेलन में राजनीतिक विवाद

> शरद पवार ने अपनी स्थिति स्पष्ट की

मुंबई. मराठी साहित्य सम्मेलन पर शरद पवार: 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन हाल ही में दिल्ली में आयोजित किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन को महाराष्ट्र और दिल्ली में रहने वाले मराठी भाषी लोगों से भारी प्रतिक्रिया मिली। हालाँकि, इस मराठी साहित्य सम्मेलन में बोलते हुए शिवसेना शिंदे गुट की नेता नीलम गोरहे ने शिवसेना ठाकरे गुट पर आरोप लगाया। उनके आरोपों से काफी राजनीतिक उथल-पुथल मच गई। सांसद संजय राउत ने नीलम गोरहे के बयान की कड़ी आलोचना की। संजय राउत ने शरद पवार से कुछ सवाल भी पूछे। इन आरोप-प्रत्यारोपों के कारण कई लोगों ने साहित्यिक महोत्सव का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया। आज एक संवाददाता सम्मेलन में शरद पवार से इस आरोप के बारे में सवाल किया गया। शरद पवार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस आरोप को स्वीकार नहीं करते। इसके अलावा मराठी साहित्य सम्मेलन में कौन-कौन और कितनी राजनीतिक हस्तियां मौजूद थीं? साहित्य सम्मेलन में क्या-क्या कार्यक्रम हुए और कौन-कौन उपस्थित थे?

कचरा डंप के पास अनधिकृत निर्माण पर चला हथौड़ा

उल्हासनगर.

उल्हासनगर के कैंप दो इलाके में कचरा डंप के पास एक खुले भूखंड पर अनधिकृत संरचनाएं खड़ी की गई थीं। उल्हासनगर अनाधिकृत निर्माण निष्कासन विभाग ने उन निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस बार 17 संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया है। पिछले कुछ दिनों से उल्हासनगर शहर में विभिन्न स्थानों पर बड़े और छोटे दोनों तरह के अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा रही है। पिछले सप्ताह ही नगर निगम प्रशासन ने उल्हासनगर नगर निगम स्कूलों के बाहर अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके बाद सोमवार को मनपा प्रशासन को उल्हासनगर के दो कैंप क्षेत्रों में हनुमान नगर और दुर्गानगर कचरा डंप के पास खाली जमीन पर अनधिकृत निर्माण किए जाने का पता चला।

आयुक्त एवं अपर आयुक्त ने सहायक आयुक्त को इस स्थान पर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। तदनुसार, सोमवार को कैंप दो में लैंडफिल के पास की भूमि पर अनधिकृत निर्माण को पुलिस सुरक्षा में ध्वस्त कर दिया गया। इसमें इस स्थान पर 10 कमरों वाली जोतिया, 5 पक्के कमरे और 2 झोपड़ियां ध्वस्त कर दी गईं। नागरिक इस कार्रवाई पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं। हालाँकि, अब सवाल यह उठता है कि जब ये निर्माण कार्य हो रहे थे तो स्थानीय नगर पालिका के कर्मचारी और अधिकारी क्या कर रहे थे। जबकि शहर में ऐसी कई छोटी-बड़ी निर्माण परियोजनाएं बनाई जा रही हैं, स्थानीय अधिकारी इन पर आंखें मूंदे हुए हैं। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि यह भवन निर्माण करने वालों के लिए वरदान है।

ट्रांसजेंडर लोगों के खिलाफ लड़ाई में कोई न्याय नहीं- सावंत

पुणे.

'हम भारतीय हैं। संविधान ने हमें वोट देने का अधिकार दिया है। फिर भी हमें अपने अधिकार पाने के लिए लड़ना होगा। हमारे न्यायोचित अधिकारों के लिए 11 वर्ष पूर्व सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता और सखी चर्चागी संगठन की निदेशक श्रीगौरी सावंत ने शुक्रवार को दुख जताते हुए कहा, "हालांकि, हम ट्रांसजेंडर समुदाय को अभी भी हमारे संघर्ष के लिए न्याय नहीं मिल रहा है। वह हिंदू महिला सभा द्वारा आयोजित 'एक ताली और कई और' कार्यक्रम में बोल रही थीं। हिंदू महिला सभा की अध्यक्ष सुप्रिया दामले, प्रसिद्ध

लेखिका और वरिष्ठ साक्षात्कारकर्ता माधुरी ताम्हाणे ने श्रीगौरी से बातचीत की।

श्री गौरी ने पुणे और मुंबई जैसे महानगरों में एक ट्रांसजेंडर के रूप में अपनी यात्रा के बारे में बताया, वहां काम करने के अच्छे और बुरे अनुभवों से लेकर 'कौन बनेगा करोड़पति' में जीती गई 25 लाख रुपये की धनराशि तक।

'तीसरी श्रेणी के लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए अच्छे अवसर प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा, "हमें स्कूली बच्चों को पढ़ाने का अवसर भी मिलना चाहिए।" कार्यक्रम का संचालन वंदना जोगलेकर ने किया। मीना कुर्लेकर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

भीषण गर्मी से आइसक्रीम विक्रेता की सड़क पर मौत

सांगली.

सांगली के हीराबाग कॉर्नर में सोमवार को एक घटना घटी, जहां गर्मी से राहत दिलाने वाले बर्फ के टुकड़े बेचने वाले एक विक्रेता की भीषण गर्मी के कारण मौत हो गई।

शिमगा में अभी एक महीना बाकी है, लेकिन जिले में गर्मी बढ़ गई है, तापमान वैशाख की आग की याद दिला रहा है। सांगली में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है और भीषण गर्मी के कारण हीराबाग कॉर्नर स्थित जलघर के पास बर्फ के गोले बेचने वाले एक व्यक्ति की खून की उल्टी होने से मौत हो गई।

इस व्यक्ति का नाम रामपाल खेलयान है। पहले तो वह सड़क पर गिर पड़े और तुरंत खून की उल्टियां करने लगे। इससे हत्या की अफवाह फैल गई। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची तो प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसकी मौत अत्यधिक गर्मी के कारण हुई है।

बहरहाल, शव को आगे की जांच के लिए जिला सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

युवक की मौत के बाद भीड़ ने घरों में की तोड़फोड़

धुले. शिरपुर तालुका के उमरदा निवासी एक युवक की पीट-पीटकर हत्या से गुस्साई भीड़ ने शिरपुर तालुका के कालापानी में जाकर ग्रामीणों पर हमला कर दिया। उन्होंने घरों में तोड़फोड़ की और करीब एक लाख 67 हजार रुपये मूल्य के आभूषण, अनाज और नकदी लूट ली। इस संबंध में शिरपुर तालुका पुलिस स्टेशन में डकैती का मामला दर्ज किया गया है।

यह घटना 19 और 20 फरवरी के बीच घटित हुई। इस मामले में अर्जुन पवारा (निवासी कालापानी, शिरपुर, धुले) ने 23 फरवरी की रात 11 बजे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई । इस शिकायत के अनुसार उमरदा

गांव के एक युवक की लोगों के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। यह घटना कालापानी (शिरपुर जिला) में घटी। इसके बाद अचानक उमरदा गांव से 40 से 45 लोगों की भीड़ कालापानी गांव में आ गई और घरों में तोड़फोड़ करने लगी। महिलाओं और बुजुर्गों को पीटा गया और उनके घरों से नकदी, जेवरात, पैसे और अनाज लूट लिए गए।

गुस्साई भीड़ ने भीमसिंह पावरा की मां के करीब 2.40 लाख रुपये के सोने के आभूषण लूट लिए, जिसमें एक मंगलसूत्र और झुमके, 40 हजार रुपये कीमत का एक किलोग्राम चांदी का कमरबंद, करीब 2,000 रुपये कीमत का चांदी का पैजन और 50 हजार रुपये कीमत के अन्य कीमती सामान शामिल हैं, जिनकी कीमत 1.67 लाख रुपये है। हमलावरों ने 15,000 रुपये मूल्य की दो अलमारियां और एक दरवाजा तोड़ दिया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने उमरदा के रमेश वसावे, रवींद्र वसावे और सचिन वसावे सहित 40 से 45 लोगों के खिलाफ अपने गांव के लोगों को भड़काने के संदेह में डकैती का मामला दर्ज किया है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें।

वृषभ -आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं

मिथुन -आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी।

कर्क -आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें।

सिंह -आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं।

कन्या- आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा।

तुला -आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए।

वृश्चिक- आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा । सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है,

धनु- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कुंभ- आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा

मीन -आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा।

प्रारुप नमुना
वृत्तपत्रात प्रसिध्द करावयाच्या छोटया जाहिरातीचे प्रारुप
जिल्हा परिषद, गोंदिया
(सार्वजनिक बांधकाम विभाग)

जाहिरात (पहिली वेळ) सन २०२४- २५

क्र./जिपगो/साप्रवि/जाहिरात/40/2025 दिनांक : 24/02/2025

सार्वजनिक बांधकाम विभाग, जिल्हा परिषद, गोंदियाकार्यालयातर्फे जिल्हयातील विश्रामगृह नवेगावबांध, मा. जि.प. अध्यक्ष, मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचे निवासस्थानाकरीता एकुण ०३ खानसामा (स्वयंपाकी) ची अनुभवी बाहय यंत्रणेच्या माध्यमाने मनुष्यबळ उपलब्ध करुन घेण्यासाठी खुली निविदा मागविण्यांत येत आहे.

मनुष्यबळ पुरवठा करणाऱ्या संस्थानी सदर जाहिरात प्रकाशीत झाल्यापासुन दिनांक २५/०२/२०२५ ते ०४/०३/२०२५ पर्यंत दुपारी ३.०० वाजे पर्यंत बांधकाम विभागास मोहरबंद पाकीटात सादर करावी लागेल. मनुष्यबळ पुरवठा करणाऱ्या संस्थांना त्यांनी दिलेली दरपत्रके, कारण न देता नाकारणे अथवा स्विकारणेचे अधिकार मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांनी स्वत:कडे राखुन ठेवले आहेत. तसेच मनुष्यबळ पुरवठा करण्यासंबधी अटी व शर्ती कार्यालयात उपलब्ध करुन देण्यात येईल. मनुष्यबळ पुरवठा करणाऱ्या संस्थांनी किमान कामाचा हक्क प्रस्थापित करता येणार नाही.

स्वा/-
(अतुल मेश्राम)
कार्यकारी अभियंता
सा.बां. विभाग, जि.प.
गोंदिया

स्वा/-
(डॉ. तानाजी लोखंडे)
अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिल्हा परिषद, गोंदिया

स्वा/-
(मुरुगामंथम एम. भा.प्र.से)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिल्हा परिषद, गोंदिया

विकास में चमक भी दिखे!

-फ़ैज़ान शेख
मैनेजिंग डायरेक्टर,
-बीसीएन, बीटीपी ग्रुप

आजादी के 75 साल बाद भी हम विकास के लिए विदेशी-निवेश-तकनीकी भागीदारी पर ही आश्रित होते जा रहे हैं। हम गर्व करते हैं कि संसाधन और मजदूरी हमारी तथा उद्योग व्यापार बाहरी। हमारी उच्च शिक्षा ही हमें अंधेरे में रखे हुए है। हम अपने-आप विकसित नहीं हो पाए। हमारी प्रतिभाएं विदेश जाकर सुखी हैं। अधिकारी और अभिजात्य वर्ग भी नई पीढ़ी को बाहर भेज रहा है। अधिकारी वर्ग भारतीय मानसिकता से कोसों दूर है। वे ही नीतियां बनाते हैं, उन्हें लागू भी करते हैं। इसका एक कारण हमारे जनप्रतिनिधियों में श्रेष्ठता का अभाव है। उनकी चयन प्रक्रिया जाति, वंश, वर्ग, आरक्षण आधारित है, योग्यता आधारित नहीं है। अतः विदेशी ज्ञान और अंग्रेजी मानसिकता ही आज भी देश को चला रही है।

निवेशकों के लिए आयोजन भी वर्षों से होते रहे हैं। वहीं मुट्ठीभर उद्योगपति हर राज्य में बुलाए जाते रहे हैं, वे ही सब जगह एमओयू करते रहे हैं और वर्ष के अंत तक पुनः अपने साधारण औसत पर लौट आते हैं। कुछ तो जमीनें खरीदकर चले जाते हैं, कुछ नीतियों से दु:खी होकर। देश में कितने उद्योगपति ऐसे हैं जो हर बार, हर प्रदेश में नया उद्योग लगा सकते हैं? शिक्षण-प्रशिक्षण-परिवहन-संचार आज भी सरकार पर निर्भर हैं। सरकारी स्कूल, सरकारी नौकरियां आज भी देश के अनुपात में चुनौतियां झेलने की स्थिति में नहीं हैं। हाथी के दांत की तरह दिखावटी हैं। झूठ और स्वार्थ पर टिकी हैं। राष्ट्रधर्म, मानव-मूल्य और चेतना के अध्याय शिक्षा से बाहर हो गए हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर परिणाम नहीं आए तो हम ग्लोबल हो गए। मुख्यमंत्री स्तर के शीर्ष नेता विदेशों में रोड शो करें, दूतावासों से अनुरोध करें, उनके लिए कानूनों में परिवर्तन करें, देशी के नाम पर विदेशी माल (स्वदेशी निर्मित) पर हम गर्व करें, हम मजदूरी करके काम चलाते रहें, नेता वोट काटते रहें, जमीनें विदेशी खरीदें, मशीनें विदेशी। क्या बचेगा आने वाली नई पीढ़ियों के लिए। अधिक एमओयू,मानव संसाधन भी मूल में तो उनके ही काम आएंगे, जिनके उद्योग होंगे। मारुति सुजुकी-एयरटेल-पेनासोनिक से लेकर ऊबर तक के लिए विदेशियों पर आश्रित हैं और गौरवान्वित भी महसूस करते हैं।

हमारा हाल यह है कि कहने को एक मुख्य सचिव राज्य का शासन चलाता है,किंतु एक-एक विभाग में एक-एक दर्जन आईएएस मिल जाएंगे, क्लर्कों की तरह। मानों किसी काम के ही न हों। कर्मचारी तो इनके घरों में अर्दली की तरह हैं दर्जनों में। इसमें कोई विदेशी हमसे आगे नहीं निकल सकता। इस तंत्र के रहते हम अपने दम पर विकास नहीं कर सकते। न ही बजट आम आदमी तक पहुंच सकता है। हमारी स्वच्छंदता ही हमारी बेड़ियां हैं। हमें विकसित भी दिखाई पड़ना है और पेट भी भरना है। अतः सारी शक्ति ग्लोबल समिट में झोंक रहे हैं। सड़क और बिजली तंत्र को खड़ा करने में कमर कस रखी है। मुख्यमंत्री आश्वस्त हैं कि किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

सुविचार

अनुशासन कठिन जरूर लगता है,
पर आदत बन जाए तो
सफलता की गारंटी देता है।

संपादकीय

सर्विस दुरुस्त हो

एयर इंडिया की सर्विस एक बार फिर विवादों में है। इस बार विवाद कुछ ज्यादा बढ़ा हुआ दिख रहा है तो उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि अबकी सवाल मौजूदा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की ओर से उठाए गए हैं। लेकिन इस सारे हो-हल्ले का हासिल क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। इस बार मंत्री जी ने एक यात्री के तौर पर अपने जो अनुभव बताए, वैसे अनुभव एयर इंडिया के विमानों से यात्रा करने वाले लोग जब-तब जाहिर करते रहे हैं। कभी सीट गड़बड़ होती है तो कभी कचरा फैला दिखता है और कभी फ्लाइट में देरी के चलते यात्रियों की सारी कैलकुलेशन बिगड़ जाती है। उन्हें अच्छा-खासा नुकसान झेलना पड़ता है।

सिविल एविएशन की नियामक संस्था डीजीसीए ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल एयर इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन ध्यान रहे, डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टिव में यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा जो सर्विस के लायक न हो। खबरों के मुताबिक क्रू मेंबर्स ने मैनेजमेंट को खराब सीटों के बारे में जानकारी भी दे दी थी। इसके बावजूद उन सीटों के लिए टिकट बुक की गई। इससे ऐसा लगता है कि मामला किसी गफलत या लापरवाही का नहीं, मैनेजमेंट की पॉलिसी और यात्रियों की सुविधाओं को दी जाने वाली अहमियत से जुड़ा है।

बहस का एक सिरा पब्लिक सेक्टर की बदइंतजामी के बरक्स निजी क्षेत्र की कुशलता से भी जुड़ता है। यह आम मान्यता रही है कि पब्लिक सेक्टर की इस कंपनी को प्राइवेट हाथों में अच्छे दिन नसीब होंगे। मगर पिछले तीन साल का अनुभव बताता है कि सिर्फ पब्लिक से प्राइवेट में आ जाने भर से किसी कंपनी की बेहतरी सुनिश्चित नहीं हो जाती। यह भी समझना होगा कि एयर इंडिया जैसी किसी कंपनी का कायापलट करना और उसे कुशलता का दूसरा नाम बनाना कोई आसान काम नहीं है। मौजूदा मामला विमानों के रखरखाव और मरम्मत से जुड़ा है। जानकार बताते हैं कि एयर इंडिया के पुराने विमानों की रिपेयरिंग में देर सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं के चलते हो रही है। बहरहाल, इन चुनौतियों को यात्रियों की तकलीफों के बचाव के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। देखना होगा कि एयरलाइन ऐसी घटनाएं दोबारा न होने देने के अपने वादे पर कितना खरा उतरता है।

लघुकथा

-अशोक मिश्र

प्रेरणा

प्रतीक कम्पयुटर साइंस में बी ई करने के उपरांत छः महीने से नौकरी के लिए भटक रहा था। रोज सुबह-सुबह दफ्तरों में इन्टरव्यू के लिए निकल जाता था। कदाचित् कुछ स्टेज क्लीयर भी कर लेता था पर फाइनली सेलेक्ट नहीं हो पाता था । एक बार फिर प्रतीक एक कम्पनी में अन्ततः चयनित नहीं हो पाने के कारण हताश और निराश होकर लौट रहा था तो देखा कि मुहल्ले का हीं एक पांव से पोलियोग्रस्त सात-आठ साल का लड़का, त्रिलोचन पैर घसीट घसीट कर आगे बढ़ रहा था। पसीना से तर-बतर त्रिलोचन थक कर किसी घर के आगे बने चबूतरे पर जब बैठ गया तो प्रतीक भी अपनी बाइक खड़ी कर उसके बगल में बैठ गया और अपने बैग से पानी का बोतल निकाल कर त्रिलोचन की ओर बढ़ा दिया। त्रिलोचन ने पानी पीने के बाद सधन्यवाद बोतल वापस किया। प्रतीक ने त्रिलोचन से कहा चलो मैं तुम्हें बाइक से घर छोड़ देता हूँ , लड़के ने बड़ी मासूमियत से कहा अरे! नहीं भैया, इसकी जरूरत नहीं है, यह तो मेरा रोज का काम है। वह कहने लगा, पता है !पापा मुझे आइ ए एस बनाना चाहते हैं और इसके लिए इन्सान को हर तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करना चाहिए।असल में आज गरमी थोड़ी बढ़ी हुई है, कुछ दिनों में बर्दाश्त करने की क्षमता आ जाएगी।

उस दिव्यांग बालक की बातें सुनकर प्रतीक उत्साह से भरा जा रहा था और उसमें अब किसी प्रकार की निराशा नहीं थी क्योंकि उसको जीवन की प्रेरणा मिल चुकी थी।

आस्था

शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 25 फरवरी को दोपहर 12 बजकर 47 मिनट पर हो जाएगा. वहीं, इस तिथि का समापन 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 8 मिनट पर हो जाएगा. ऐसे में प्रदोष व्रत 25 फरवरी को रखा जाएगा. इस दिन मलंगवार है. ऐसे में ये भौम प्रदोष व्रत रहेगा.प्रदोष व्रत के दिन पूजन के समय शिवंलिंग पर दूध, दही, शहद चढ़ाकर मंत्र जपने चाहिए. मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग पर दूध, दही, शहद चढ़ाने और मंत्रों के जाप से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं, भगवान के आशीर्वाद से कारोबार में खूब तरक्की होती है.अगर आप अपने कारोबार में तरक्की प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन पूजन के समय शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएं. ऐसा करने से आपको कारोबारी खूब तरक्की और लाभ मिल सकता है.प्रदोष व्रत के दिन शिवंलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं. शिवंलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से कर्जों से छुटकारा मिलता है. शिवलिंग पर गलती से भी तुलसी, हल्दी और सिंदूर नहीं चढ़ाएं. मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से भगवान शिव रुष्ठ होते हैं, जिससे आपको अशुभ परिणाम मिल सकते हैं.

व्यंग्य

हनुमान मुक्त

सरनेम से भ्रम

मेरा स्थानान्तरण दूसरे शहर हो गया। लोग मेरी जाति, कुल से परिचित नहीं थे। मैं भी उन्हें परिचित कराना नहीं चाहता था। मेरे नाम के पीछे लगा सरनेम मुक्त मेरी जाति का बोध कराने में असमर्थ था। एक दिन पिछड़ी जातियों के आरक्षण समर्थक आंदोलन के एक नेता वर्मा जी मेरे पास आए। वे आरक्षण के लिए मेरा समर्थन चाहते थे। मैं समझ गया कि इन्हें मेरे नाम के पीछे लगे उपनाम ने भ्रमित कर दिया है या मेरे साथ मेलजोल रखने वाले लोगों से ये भ्रमित हो गए हैं। वरना ऊँची जाति के व्यक्ति के पास कोई भी निचली जाति का व्यक्ति आरक्षण के समर्थन के लिए भला क्यों आएगा। हर कोई जानता है कि कोई भी ऊँची जाति का व्यक्ति अपनी जाति को नहीं छिपाता। जाति को छिपाने का काम तो नीची जाति वालों को करना पड़ता है, जिससे लोग उन्हें हेय दृष्टि से नहीं देखें, उनसे बात करने से पहले ही उनके बारे में नकारात्मक भाव नहीं लाएं। उन्हें हीन नहीं समझें। वैसे भी ज्यादातर जातिसूचक सरनेम नहीं लगाने के मामले में देखा गया है कि नीची जाति के लोग ही अपने नाम के पीछे जातिसूचक सरनेम नहीं लगाते और लगाते हैं तो ऐसा सरनेम लगाते हैं जिससे सामान्य व्यक्ति उनकी जाति का सहज ही अनुमान नहीं लगा सके।

मुझे भी वे ऐसा ही मान रहे थे। उनकी बातों को सुनकर मैं मन ही मन प्रफुल्लित हो रहा था कि चलो गलत फहमी में ही सही ये लोग मुझे अपना हितैषी तो मान रहे हैं, यदि इनको मेरी जाति के बारे में पता होता तो किसी भी स्थिति में मुझसे आरक्षण के समर्थन में बात करने नहीं आते।

मैंने उनका उनके रूप के अनुसार सत्कार किया। वे बोले, 'आजकल ऊँची जाति के लोग हमारे आरक्षण के खिलाफ लामबन्द हो रहे हैं। यदि हम सब एकसाथ उनके खिलाफ लामबन्द नहीं हुए तो वह दिन दूर नहीं जब हमें आरक्षण से वंचित होना पड़ेगा। आप तो लेखक टाइप व्यक्ति हो, कुछ ऐसा लिखो जिससे हमारी जाति के लोग इस आरक्षण के समर्थन में एक साथ खड़े हो जाएं और ऊँची जाति के लोग चुप हो जाएं।'

मैं बोला, 'वर्मा जी! ऐसी कोई बात नहीं है। हमें आरक्षण मिलना सामाजिक न्याय की बात है। हमसे इसे कोई भी नहीं छीन सकता। जब तक हमारी जाति के लोग, सामान्य जाति के लोगों के बराबर नहीं आ जाते, आप चिन्ता मत करो।'

आलेख

डॉ. दीपक आचार्य

जो रोना रोता है, सहानुभूति पा लेता है

कर्म क्षेत्र के मामले में दो प्रकार के लोग हैं। एक वे जो चुपचाप अपने काम से काम करते रहते हैं और अपने कर्मयोग को आकार देते हुए आत्म मुग्ध व आत्मतोष के साथ जीवन जीते है।न उपहारों की अपेक्षा रखते हैं, मुद्रा के लोभी या लालची। इन लोगों को अपने किए हुए कामों के लिए किसी से धन्यवाद तक की अपेक्षा या और कोई आशा नहीं होती।ये ही वे लोग है जो असली कर्मयोगी हैं और इन्हीं के भरोसे हमारी सभी व्यवस्थाएं पूरी गंभीरता व शालीनता के साथ पूरी हो रही हैं। दूसरी किस्म में दो-तीन प्रकार के लोग होते हैं। इनमें से आधे लोग अपने हर किए काम के लिए भी प्रतिफल चाहते हैं और उन कामों का श्रेय भी ले उड़ना चाहते हैं जिन कामों में इनका किंचित मात्र भी योगदान नहीं रहता। इनकी आधी से अधिक प्रजाति उन लोगों की है जो अपने मामूली से मामूली कामों के लिए भी हर दिन ताकत लगाकर रोना रोते रहते हैं। ये लोग कोई सा काम प्रसन्नतापूर्वक नहीं कर सकते। इनका यह रोना दिन उगने से लेकर रात तक यों ही चलता रहता है। अपना रोना रोने के लिए ये लोग न कोई संजीदा लक्ष्य समूह देखते हैं, न पात्र देखते। जहाँ कहीं ये जाएंगे वहां किसी न किसी बात का रोना शुरू कर देंगे। इन्हें यह भान भी नहीं होता है कि उन लोगों के सामने रोना रोने का कोई अर्थ नहीं है जिनका उनके जीवन, विषय अथवा स्वभाव व कर्म से कोई सरोकार नहीं।

बहुत से लोग हैं जो कि समझदार हैं और चतुर भी। ये लोग जानबूझकर रोना रोने को अपनी आदत बना चुके हैं क्योंकि इन लोगों को अच्छी तरह पता है कि जो रोएगा वही लोगों की सहानुभूति पाने में सफल होगा। और इस मानवीय सहानुभूति का वे सारी जिंदगी लाभ पाते रहते हैं। इन लोगों को अच्छी तरह पता है कि रोना रोने से ही सारे काम होने लगे तो फिर जीवन की दूसरी झंझटों में क्यों घुसें।

आजकल बहुत जगह लोगों ने रो-रोकर सहानुभूति पाने को हथियार बना रखा है और इस हथियार का उपयोग वे हमेशा करते रहते हैं। समझदार लोग इन रोने वालों को भले ही गलत समझते रहें मगर रोते रहने वाले लोग अक्सर फायदे में रहते हैं क्योंकि ये लोग रो-रोकर आगे बढ़ने में इतने माहिर होते हैं कि पूरे बहरूपिया अभिनय के जरिये सामने वालों को जबर्दस्त तरीके से भ्रमित कर डालते हैं।

आलेख

डॉ. दीपक आचार्य

आलोकित करें अंत

संसार में आने के बाद इंसान की पूरी जिन्दगी दुनिया को देखने, जानने और समझने में लग जाती है और पूरी जिंदगी यही सब करने के बावजूद पूरी दुनिया का एकाध फीसदी से भी कम ही आनंद या उपभोग पा सकता है। मनुष्यों में मुण्डे-मुण्डे मतिर्भिन्ना वाली स्थिति होती है। कुछ लोग पूरी दुनिया के बारे में खबर रखना चाहते हैं और ताजिन्दगी इसी भ्रम में रहते हैं कि उन्हें पूरी दुनिया का ज्ञान है। कुछ लोग न अपने आपको जानना चाहते हैं, न दुनिया को, ये लोग उदासीन बने रहकर जैसे-तैसे टाईमपास करते हुए पूरी आयु खपा देते हैं और बिना किसी उपलब्धि के चले जाते हैं, जैसे आये थे। बहुत से लोगों का स्वभाव होता है कि अपने काम से मतलब रखना, अपने दायरों में रहकर काम करना और अपने तथा अपनी दुनिया के बारे में भी जानकारी रखना। दुनिया में कहाँ क्या हो रहा है, कौन क्या कह या कर रहा है, इस बारे में ये ध्यान नहीं रखते। अपने हाल और खुद के कामों में मस्त रहते हैं। एकाग्रता और कर्म के प्रति निष्ठा का इनका भाव इतना अधिक गहरा होता है कि इनके पास फालतू का दूसरा कुछ सोचने-समझने की फुर्सत तक नहीं होती।

इन सभी प्रकार के लोगों का पूरा जीवन अपने बारे में, जीवन और जगत के बारे में सोचने, प्रश्नों के उत्तर तलाशने और जिज्ञासाओं के शमन में गुजर जाता है। कुछ बिरले लोगों के लिए प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान हो जाने पर भीतरी आनंद का अनुभव होने लगता है और वे जीवन लक्ष्यों के साथ आनंद भाव को प्राप्त कर लिया करते हैं।

जबकि बहुसंख्य लोगों की जिन्दगी में अंतिम समय तक प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान नहीं हो पाता और ये अनुत्तरित प्रश्नों के साथ ही ऊपर पहुंच जाते हैं।वास्तव में देखा जाए तो प्रश्नों के सटीक उत्तर मिल जाना और जिज्ञासाओं का सही वक्त पर सही समाधान हो जाना ही ज्ञान की पूर्णता का प्रतीक है। प्रश्न और जिज्ञासाएं अपने आप में अंधकार हैं और जब तक ये व्याप्त रहते हैं इंसान कई प्रकार के अंधेरों और पाशों से जकड़ा रहता है।वह अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने तथा प्रश्नों के जवाब पाने के लिए उतावला और उद्विग्न बना हुआ भटकता फिरता है। श्रम, समय और धन खर्च कर सारे जतन करता रहता है। कई बार जवाब और समाधान के करीब भी पहुँच जाता है लेकिन पूर्ण सत्य और शाश्वत उत्तर के अभाव में फिर भटकने लगता है। इस मामले में ज्ञान और व्यवहार दोनों काम में आते हैं। समझदार और मेधावी लोग सत्य और यथार्थ को जान लेने के बाद प्रश्नों और जिज्ञासाओं के शंका-भँवर से मुक्त हो जाते हैं लेकिन पशुबुद्धि और निम्न बुद्धि लोग लाख समझाने, सटीक उत्तर मिल जाने और जिज्ञासाओं का समाधान कर दिए जाने के बावजूद संतुष्ट नहीं होते और उस दिशा में आगे बढ़ते चले जाते हैं जहां इन प्रश्नों और जिज्ञासाओं का जन्म होता है।

यह ठीक उसी तरह है कि किसी को कह दिया जाए कि आगे गहरी खाई और कूआ है, ध्यान रखें। तब समझदार इंसान उस रास्ते को छोड़ कर दूसरी राह तलाश लेता है कि लेकिन मूर्ख इंसान यह देखने के लिए उधर चला ही जाएगा कि आखिर कैसा कूआ है, कैसी खाई है। और फिर वहां पहुंचकर ठोकर खा ही लेता है। तब कहीं जाकर वह सबक सीखता है।

कहानी

- प्रियंका कौशल

सुबह तो होनी ही थी

आज सुबह से ही फोन की घंटियां घनघना रही थी। मालती कभी मोबाइल पर तो कभी लैंडलाइन फोन पर मिल रही बधाईयां स्वीकार कर रही थी। हर कोई खुश था, हो भी क्यों ना, कंचन पहले ही प्रयास में आईपीएस बन गई थी। मेहनत भी खूब की थी कंचन ने। पिछले पांच वर्षों में कोई त्यौहार ढंग से नहीं मनाया। कभी किसी पिकनिक पर नहीं गई, कोई पार्टी, कोई मस्ती नहीं। बस अपने लक्ष्य को पूरा करने की जिद, अपने जीवन को ऊंचा उठाने का जुनून। कंचन के उस जुनून को मालती तो पिछले 25 सालों से जीती आई है।

मालती पुरानी यादों में डूब ही रही थी कि फिर से फोन बजा। अरे ये तो किशन चाचा का फोन है। बहुत बधाई मालती बेटा.किशन चाचा ने गला साफ करते हुए कहा। आपको भी बधाई चाचा जी, मालती ने कहा। आज मैं बहुत खुश हूं कि तुम्हारा देखा हुआ सपना पूरा हो गया है। दुख भी है कि तुम्हारे संघर्ष में हम लोगों ने कभी तुम्हारा साथ नहीं दिया। चाचाजी जी भर्राई आवाज में कह रहे थे। इधर मालती ने जैसे सुना ही नहीं कि वे क्या कह रहे हैं, वो तो पुरानी यादों में खो गई थी

मालती को नौंवा महीना चल रहा था। प्रसव का वक्त भी नजदीक आ गया। जच्चा और बच्चा दोनों ठीक हैं। डाक्टर ने मालती के पति रमेश को बताया। लेकिन रमेश की उत्सुकता यह सुनकर भी शांत नहीं हुई, उसने पूछा क्या हुआ है डाक्टर साहब। डाक्टर कुछ कहने की स्थिति में नहीं था, फिर भी बोला कि दरअसल बच्चा थर्डजेंडर है। क्या...मैं कुछ समझा नहीं, आप क्या कहना चाह रहे हैं। रमेश हकबकाया। डाक्टर ने फिर दोहराया कि बच्चा ना तो लड़का है, ना ही लड़की, वह तृतीय लिंग है यानि...। बस फिर क्या था, कोहराम सा मच गया। मालती तो मां थी, वह अपने बच्चे को सीने से लगाना चाहती थी, जी भर उसे चूमना चाहती थी। बहुत सारा प्यार करना चाहती थी, लेकिन रमेश ने ऐलान कर दिया कि बच्चे को कोई भी गोद में नहीं लेगा। यह हमारे खानदान पर धब्बा लगाने आया है। रमेश ने मालती से कहा कि मेरी शबनम किन्नर से बात हो गई है, वह कल सुबह ही इसे ले जाएगी। फिर चिंता की कोई बात नहीं, हम लोगों से कह देंगे कि हमें मरा हुआ बच्चा हुआ है।

अब तक सब कुछ चुपचाप सुन रही मालती चीखी, नहीं, यह मेरा बच्चा है, इसे मैंने नौ माह तक अपने गर्भ में रखा है,इससे बातें की हैं, इसे कोख की भीतर से ही प्यार देना शुरु किया है। मैं इसे खुद पालूंगी। मैं इसे किसी को नहीं दूंगी।

रमेश जैसे मालती की बात सुनकर पागल सा हो गया। यह भी भूल गया कि उसकी पत्नी प्रसूता है। उसने उसे चप्पल फेंककर मारी और चीखा, क्या कहा तुमने। किसी को नहीं दोगी, इसे पालोगी। पागल हो क्या...नहीं जानती कि यह समाज ऐसे बच्चों को स्वीकार नहीं करता। अरे ये किन्नर है, कौन स्वीकार करेगा इसे। मैं करूंगी, मालती चीखी, मैं स्वीकार करूंगी और करूंगी क्या मैंने कर लिया। ईश्वर ने मुझे जो बच्चा दिया है, वो मेरा है। मैं पालूंगी इसे, मैं प्यार करूंगी। ये मेरा बच्चा है, इसे मुझसे कोई नहीं छीन सकता। थोड़ी देर के लिए कमरे में चुप्पी छा गई। मालती ने रमेश को समझाना शुरु किया, देखिए, इस बच्चे का क्या दोष कि ये ना पुरुष है ना ही स्त्री। ये तो ईश्वर की मर्जी है। क्या केवल इस आधार पर इस बच्चे को अपने माता-पिता के पास रहने का हक छीन लिया जाए कि ये तृतीय लिंग का है।

कहानी

डॉ.मृदुला शुक्ला

सच्ची श्रद्धांजलि

गर्मी का मौसम था, सूरज भी दिन भर अपनी प्रचण्ड किरणें बिखेरता रहता, गर्म-गर्म हवाएँ भी खूब झुलसाने में लगी रहतीं। गर्मी की छुट्टियों में विद्यालय भी एक महीने के लिए बन्द हो चुके थे। मेरी बी0ए0 की परीक्षा भी समाप्त हो चुकी थी, बस परीक्षा-परिणाम आना बाकी था। मेरे माता-पिता फॉर्म हाउस में रहते और मैं शहर में रहकर अपनी पढ़ाई करती । कॉलेज में छुट्टी हो जाने पर मैं भी फॉर्म हाउस जाने की तैयारी करने लगी।

एक दिन सुबह होते ही तैयार होकर मैंने गाड़ी निकाली और ड्राइव करती हुई अपने फॉर्म हाउस के लिए रवाना हो ली। फॉर्म हाउस की दूरी तकरीबन 60 किलोमीटर थी। सबेरे-सबेरे मन्द-मन्द बहती हुई शीतल वायु, हरे-हरे खेत और नहर में तीव्र वेग से बहता हुआ कलकल करता हुआ पानी, ये सब कुछ मेरे कोमल मन को बहुत ही आनन्दित कर रहा था। कहीं खेत में मोर नाचते हुए केहाँउ-कहाँउ करते दिख रहे थे, तो कहीं हाथियों का झुण्ड एक साथ प्रसन्नतापूर्वक नहर में पानी पीता हुआ नज़र आ रहा था। गाड़ी की गति धीमी करके मैं इन सारे ख़ूबसूरत नज़ारों का आनन्द लेती हुई अपने फॉर्म हाउस पहुँचने वाली ही थी कि फॉर्म हाउस वाले गाँव के बाहर पेड़ के नीचे बैठे एक युवक को देखा, जो देखने में अत्यन्त उदास और दुखी लग रहा था।

मैंने गाड़ी रोकी और गाड़ी से उतर कर मैं उस युवक के पास गई। उसे देखकर लग रहा था कि जैसे वह पूरी तरह से टूट चुका हो और उसके जीवन में अब कुछ भी शेष न हो।तुम कौन हो ? यहाँ क्या कर रहे हो ? इतने मायूस और दुखी होकर क्यों बैठे हो ? वैसे तुम्हारा नाम क्या है ? तुम्हारा घर कहाँ है ? कहाँ के रहने वाले हो ? मेरे द्वारा उसके बारे में इतना सब कुछ बार-बार पूछने पर उस युवक ने बताना शुरू किया मैडम, मैं अखिल हूँ, इसी कल्याणपुर गाँव का रहने वाला हूँ।

मेरे माता-पिता गरीब थे, उनकी इच्छा थी कि मैं खूब पढ़-लिख कर इंजीनियर बनूँ। इसलिए उन्होंने शुरू से ही मुझे बाहर अच्छे स्कूल में पढ़ने के लिए भेज दिया। मेरे पिता के पास चार बीघा खेत था, उसमें वो कड़ी मेहनत करके मेरी फीस भरते और मेरा पूरा खर्चा उठाते। मैं जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे ही मेरी फीस और अन्य खर्चे बढ़ते गए, इसलिए पिता जी साहूकार से भी रुपये उधार ले-लेकर मुझे पढ़ाते जाते और साहूकार को विश्वास दिलाते रहते. कि जब अखिल इंजीनियर बन कर आएगा, तब सारा का सारा उधार का रुपया चुका देगा" ऐसा कहते-कहते अत्यन्त भाव-विभोर हो जाते, उनकी आँखों से खुशी के आँसू बहने लगते।"

समीक्षा

पांव जमीन पर -लोक जीवन का उत्सव

लोक जीवन की लय को स्पंदित और अभिव्यक्त करती शैलेन्द्र चौहान की नई किताब 'पांव जमीन पर' एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति है। कवि कथाकार शैलेन्द्र का लेखन एक सचेत सामाजिक कर्म है। उनका चिन्तन प्रतिबद्धता का चिन्तन है। वह जनप्रतिबद्ध लेखक हैं। विवेच्य पुस्तक में शैलेन्द्र चौहान ने भारतीय ग्राम्य जीवन की जो बहुरंगी तस्वीर उकेरी है उसमें एक गहरी ईमानदारी है और अनुभूति की आंच पर पकी संवेदनशीलता है। ग्राम्य जीवन के जीवट, सुख-दु:ख, हास-परिहास, वैमनस्य, खान-पान, बोली-बानी, रहन-सहन आदि को बहुत जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। यह सब मिलकर पाठक के समक्ष सजीव चित्र की सृष्टि करते हैं और चाक्षुष आनंद देते हैं। लोक जीवन का उत्सव इनमें कदम-कदम पर झलकता है।

पीपलखेड़ा गाँव के पोस्टमास्टर 'बड़े भैया' हों, कोठीचार के पूरण काका, रघुवंशी जी, तोमर माट साब हों या क्रूर बजरंग सिंह या गाँव में आया साधु हो - सबका सजीव चित्रण हुआ है। नदी, झरने, जंगल, तालाब, पहाड़, गाँव के गैल - गलियारे, पशु-पक्षी, खेत किसान और फसलें हों, मंडी बामोरा का हायर सेकेंडरी स्कूल, सहपाठी, शिक्षक और वहां का परिवेश हो, विदिशा का बहुविध वर्णन हो, शैलेन्द्र ने पूरी ईमानदारी और इन्वोल्वमेंट के साथ इन्हें सृजा है। शैलेन्द्र के स्वयं अपने गाँव के लोग, परिजन, सम्बन्धी, मित्र और परिचित, गढ़े-गढ़ाये चरित्र न होकर जीते-जागते एवं गतिशील चरित्र हैं। 'पांव जमीन पर' जिस अंदाज में लिखी गई रिपोर्ताज कथाएं है वे हिन्दी साहित्य में विरल हैं - जनमुखी होने के साथ-साथ।प्रस्तावना के रूप में कथाकार उदय प्रकाश कहते हैं- शैलेंद्र के लिए लोकजीवन किसी सेमिनार या किताब के जरिये सीखा गया शब्द नहीं है।

लोकधर्मिता अपने बचपन के साथ उसकी शिराओं में बहने वाली एक अदृश्य नदी का नाम है। ऐसा बचपन जिसमें चॉकलेट और मल्टीप्लेक्स नहीं हैं, वीडियोगेम, मोबाइल और साइबर कैफे नहीं हैं, टाई, जूते, रंगीन बैग, टिफिन और स्कूल बसेज़ नहीं हैं। वहाँ एक प्रायमरी पाठशाला है, कच्ची-पक्की पहली कक्षा है, जिसमें एक चकित-सा बेहद संवेदनशील बच्चा है, जो

अपनी काठ की पट्टी को घोंटना और चमकाना सीख गया है, जो बर्रू से वर्णमाला लिखना सीख रहा है। घर के ओसार या स्कूल के आसपास किसी पेड़ के नीचे सबसे अलग बैठा हुआ ब्लेड से कलम की नोक छील रहा है। जितनी अच्छी कलम की नोक होगी, अक्षर और शब्द उतने ही सुंदर बनेंगे।

स्वयं शैलेन्द्र इन रिपोर्ताज के बारे में बताते हैं - एक गाँव से दूसरा गाँव, एक स्कूल से दूसरा स्कूल, वहां की भौगोलिक स्थितियां, वेश-भूषा, परिवेश और वे लोग जिन्होंने मुझे सहज ज्ञान से परिचित कराया, आत्मीय, परिजन, सम्बन्धी, गुरुजन,सहपाठी, और शुभचिंतकों की लम्बी फेहरिस्त रही है, जिनसे मेरे व्यक्तित्व में कुछ न कुछ समृद्ध हुआ है।

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल

पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलाम्रुत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

बल्लारपुर में बनेगा राज्य का सबसे अच्छा न्यायालय भवन

> विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने जताया भरोसा
> बल्लारपुर में न्यायालय भवन के निर्माण की समीक्षा

चंद्रपुर, सुनील तायडे

बल्लारपुर में नये न्यायालय भवन के निर्माण को मंजूरी दी गई है तथा 2.50 करोड़ रुपये की लागत से बल्लारपुर में नये न्यायालय भवन का निर्माण किया जाएगा। 36 करोड़ 70 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस भवन में अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी, जैसे सौर ऊर्जा प्रणाली, अत्याधुनिक लिफ्ट सुविधाएं, महिला वकीलों के लिए हिरकनी कक्ष, डिजिटल सुविधाओं से सुसज्जित ई-लाइब्रेरी और क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाने के लिए भूनिर्माण। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन राज्य मंत्री, विधायक मुनगंटीवार का मानना है कि यह न्यायालय भवन न केवल बल्लारपुर बल्कि पूरे राज्य में सर्वश्रेष्ठ न्यायालय भवनों में से एक होगा।

वे बल्लारपुर विश्राम गृह में नये न्यायालय भवन के निर्माण की समीक्षा के दौरान बोल रहे थे। इस अवसर पर मुकेश तांगले, कार्यपालक अभियंता, संजोग मेंढे, उप अभियंता, पवन सावरकर, कनिष्ठ अभियंता, एडवोकेट. आशीष धर्मपुरीवार, एडवोकेट आई.आर. सैयद, एडवोकेट बुराडे, एडवोकेट विकास गेडाम, एडवोकेट भाले, एडवोकेट लिंगे, एडवोकेट उपाध्याय, एडवोकेट जीवित, पिंपलकर, एडवोकेट पोसलवार, एडवोकेट सादर, एडवोकेट आमटे, एडवोकेट खारताड़, एडवोकेट शीर्षक, एडव. गेदाम, एडवोकेट केशवानी, एडवोकेट भाले, एडवोकेट बाजपेयी, एडवोकेट अविनाश सिंह, एडवोकेट खनके और अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक मुनगंटीवार ने आगे कहा कि, भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 100 वकीलों के लिए अलग से इमारत बनाने की योजनाबद्ध योजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। न्यायालय भवन में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही प्रत्येक मंजिल पर सौर ऊर्जा प्रणाली और जल डिस्पेंसर भी लगाए जा रहे हैं। ई-लाइब्रेरी, वकीलों के लिए विशेष अधिवक्ता सम्मेलन हॉल, महिलाओं के लिए अलग हिरकणी कक्ष, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शौचालय और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा प्रणाली लागू की जा रही है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 200 केवी जनरेटर की व्यवस्था की जानी चाहिए, साथ ही महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए लॉकर और कॉम्पैक्टर की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

वाहनों के लिए नियोजित पार्किंग सुविधा के अलावा भवन में फर्नीचर के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सागौन की लकड़ी का उपयोग करने के निर्देश संबंधितों को दिए गए हैं। अगले दो-तीन माह में वकीलों की मौजूदगी में इस भवन का शिलान्यास करने का निर्णय बार काउंसिल की बैठक में लिया गया है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू किया जाएगा। मुनगंटीवार का यह भी मानना है कि यह भवन महाराष्ट्र के सर्वोत्तम न्यायालय भवनों में से एक होगा।

वन विभाग के निष्क्रिय उड़ान एवं सुरक्षा दलों को बंद करें पर्यावरणविदों की मांग

> निष्क्रियता से वन और वन्यजीव संरक्षण खतरे में
> वन्य जीव सुरक्षा, अवैध कटाई, वन तस्करी और अतिक्रमण रोकने में नाकामी

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

वन विभाग में उड़नदस्ता, संरक्षण और अतिक्रमण उन्मूलन दस्ता मौजूद होने के बावजूद उनकी निष्क्रियता ने वन और वन्यजीव संरक्षण को खतरे में डाल दिया है। पर्यावरणविदों ने मांग की है कि इन विभागों को बंद कर दिया जाए और सक्षम वन कर्मियों के साथ एक एकल त्वरित कार्रवाई बल का गठन किया जाए।

वन एवं वन्य जीव सुरक्षा, अवैध कटाई, वन तस्करी और वन क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने के लिए वन विभाग में फ्लाइंग स्क्वाड और संरक्षण एवं अतिक्रमण उन्मूलन दल नामक दो टीमें काम कर रही हैं। इसके लिए प्रत्येक टीम में अलग-अलग वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन रेंजर, वनरक्षक, वन मजदूर और वाहन व्यवस्था के साथ आवश्यक उपकरण मौजूद हैं। इस टीम के कर्मचारियों पर हर महीने लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद कम से कम पिछले 7 सालों में इस टीम ने कोई खास काम नहीं किया है। आज भी कई वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, रेत और मुरुम की तस्करी और खासकर वन्य जीव शिकार बड़े पैमाने पर जारी है। हाल ही में राजुरा से अंतरराष्ट्रीय बाघ शिकारियों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया था। जबकि कोष्टला, चिखली और गनेरी में कटाई के मामले ताजा हैं, इस टीम की कार्रवाई में कोई प्रगति नहीं देखी गई है। केवल बिट निरीक्षण की कागजी रिपोर्ट तैयार करके वे वरिष्ठ अधिकारियों और वन विभाग को गुमराह कर रहे हैं। इस रास्ते पर वरिष्ठ वन अधिकारियों की मेहरबानी भी देखी जाती है।

मध्यचांदा वन प्रभाग में मात्र 8 वन क्षेत्र हैं। इन सभी वन क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में बहुमूल्य सागौन के जंगल हैं। यहां बड़ी मात्रा में वन्यजीव हैं, इसलिए मानव-वन्यजीव संघर्ष एक नियमित घटना बनती जा रही है, लेकिन यह दल ऐसी घटनाओं में पहल करते नजर नहीं आ रहा है। चूंकि नियमित वनरक्षक अपने क्षेत्रीय नियमित कार्यों में व्यस्त रहते हैं, इसलिए सुरक्षा दल और सुदृढ़ीकरण दल को विशेष वन सुरक्षा दी जाती है। बहरहाल, इन दोनों निष्क्रिय दलों को बंद कर वन कर्मियों का एक ही प्रशिक्षित और सक्षम सशस्त्र दल बनाया जाना चाहिए, ताकि इसका वन और वन्यजीव सुरक्षा कार्य प्रभावी ढंग से हो सके और वन तस्करी, वन्यजीवों के अवैध शिकार, अतिक्रमण और पेड़ों की कटाई पर अंकुश लगाने में सफलता मिले। पर्यावरणविदों और नैसर्गिक पर्यावरण संवर्धन व मानवता विकास संस्था के बादल बेले, महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा मांग की है।

छात्रों के स्नेह से अभिभूत हुए सेवानिवृत्त शिक्षक

> बीस साल बाद 110 पूर्व छात्र आए एक साथ

गडचांदूर, सुनील तायडे

गडचांदूर में एक अनूठा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एक बार फिर अपने विद्यार्थियों के प्रेम से अभिभूत हमारे शिक्षकों को यादों के एक नाजुक बंधन से जोड़ा गया। सावित्रीबाई फुले विद्यालय के पूर्व छात्र बीस साल बाद पुनर्मिलन के लिए एकत्र हुए। इस समारोह ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के मन में पुरानी यादें ताजा कर दीं।

गडचांदूर स्थित बालाजी सभागृह में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंदराव अड़बाले ने की तथा उद्घाटन नामदेव बोबडे ने किया। प्राचार्य महेंद्र ताकसांडे, मुख्य अतिथि थे। सुरेश काटकर, प्रो. कीर्तिकुमार करमरकर, प्रो. धर्मराज काले, प्रो. शम्मी खान, प्रो. रमेश सोनटक्के, प्रो. प्रशांत खैरे, प्रो. अशोक सातारकर, प्रो. जहीर सैयद, प्रो. दिनकर जादे, प्रो. विकास भंडारवार, प्रभाकर पुंजेकर, बालाजी पुरी जैसे शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा पुरानी यादें ताजा कीं। कार्यक्रम में 110 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। छात्रों के इस प्रेम से अभिभूत शिक्षकों की आंखों में संतोष के आंसू थे और इस अनूठे मिलन ने शिक्षक और छात्र के बीच के बंधन को और मजबूत कर दिया। कार्यक्रम का संचालन संदीप दहाके ने किया, जबकि हितेश जाधव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इतने सालों के बाद सभी के एक साथ आने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह समारोह हमेशा के लिए हर किसी के मन में अंकित हो गया है। ऐसी जानकारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा सुचिता राजुरकर देरकर, पूर्व छात्रा ने दी.

बैलगाड़ियों से खुलेआम हो रही है रेती की चोरी

> तहसील प्रशाशन कब जागेगा कुंभकर्णी नींद से

गढ़चिरौली.

रेत खदानों की नीलामी न होने और आवास निर्माण के लिए टिपी न होने के कारण गढ़चिरौली शहर के पास कठानी नदी से बैलगाड़ियों के माध्यम से प्रतिदिन 300 ट्रिप रेत चोरी हो रही है। नागरिकों में यह चर्चा का विषय बन गया है कि दिनदहाड़े रेत निकाले जाने के दौरान किसी भी बैलगाड़ी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, मानो कार्रवाई करने वाले अधिकारी अपनी जेब में बैठे हों।

शहर के फुले वार्ड से कठानी नदी तक जाने वाली कच्ची सड़क पर प्रतिदिन बैलगाड़ियों द्वारा रेत के 250 से 300 चक्कर लगाए जाते हैं। इसके आधार पर गरीब बैलगाड़ी चालकों को मामूली किराया देकर प्रतिदिन सैकड़ों ब्रास रेत चोरी करने के पीछे मास्टरमाइंड कौन है? अब इसे खोजने की चुनौती उत्पन्न हो गई है।

कठानी नदी के तल में स्थित उस स्थान तक जाने वाली कच्ची सड़क, जहां से यह रेत निकाली जाती है, प्रतिदिन चलने वाली सैकड़ों बैलगाड़ियों के कारण इतनी खराब हो चुकी है कि चार पहिया वाहन वहां से नहीं गुजर सकता। दोनों तरफ के पहिये के ट्रैक खोद दिए गए हैं, जिससे सड़क पर मिट्टी की एक फुट मोटी परत जम गई है। इसलिए दोपहिया वाहन से जाने में भी काफी मेहनत करनी पड़ती है।

तहसीलदार के पास कोई जवाब नहीं है।

जब हमने गढ़चिरौली के तहसीलदार संतोष आष्टीकर से इस बारे में पूछने की कोशिश की तो उन्होंने बोलने से इनकार कर दिया। तो क्या तहसील कार्यालय के पास इन सभी कुकृत्यों का कोई जवाब नहीं है? क्या गढ़चिरौली तहसील कार्यालय ने सैकड़ों बैलगाड़ियों का उपयोग करके सरकारी संपत्ति लूटने की खुली अनुमति दे दी है? इसमें संदेह की गुंजाइश है. गढ़चिरौली के लोगों का ध्यान अब इस बात पर केंद्रित है कि क्या इस अभूतपूर्व और अंधाधुंध लूट को रोका जाएगा, और क्या जिला कलेक्टर इस लूट को अपनी मौन सहमति देने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

राजस्व प्रशासन की मौन सहमति?

दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल तक रेत की चोरी केवल आधी रात से सुबह 6 बजे तक बैलगाड़ियों या ट्रैक्टरों के जरिए की जाती थी। लेकिन इस वर्ष सुबह से शाम तक बिना किसी रोक-टोक के रेत का उत्खनन और परिवहन हो रहा है। इसलिए, हर दिन यह दृश्य देखने वाले नागरिक राजस्व प्रशासन की भूमिका पर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। सतही तौर पर तो ऐसा प्रतीत होता है कि तालुका के राजस्व विभाग ने नींद की आड़ में इस सब को मौन सहमति दे दी है।

नगर निगम ने आवारा कुत्तों का नसबंदी अभियान तेज किया

चंद्रपुर, सुनील तायडे

आवारा और लावारिस कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने की दिशा में एक सक्रिय कदम उठाते हुए, चंद्रपुर नगर निगम ने अपने नसबंदी और टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया है। मानव-पशु संघर्ष को रोकने और रेबीज को खत्म करने के उद्देश्य से, इस पहल के परिणामस्वरूप विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की देखरेख में 4,020 आवारा कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है। आवारा कुत्तों का खतरा कई क्षेत्रों में बढ़ती चिंता का विषय बन गया है, कुत्तों द्वारा वाहनों का पीछा करने, पैदल चलने वालों पर हमला करने और सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने की लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं। पागल कुत्तों के काटने से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होती हैं, जिससे अक्सर मृत्यु हो जाती है.

नगर निगम की बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

> 86 संपत्तियां जब्त, 44 पानी के कनेक्शन काटे

चंद्रपुर, सुनील तायडे

नगर निगम की वसूली टीमों द्वारा संपत्ति कर का भुगतान न करने वाले बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और 86 संपत्तियों को जब्त किया गया है, जबकि 44 जल कनेक्शन धारकों के खिलाफ कटौती की गई है।

जब्त संपत्तियों की नीलामी कर बकाया राशि वसूलने के लिए तीन जोनवार टीमें बनाई गई हैं। बकाया राशि का भुगतान न करने पर 15 दिन के भीतर जब्त संपत्तियों पर कार्रवाई करने का अधिकार नगर पालिका को है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसी आक्रामक कार्रवाई जारी रहेगी। चूंकि रियायतों के बावजूद नागरिक संपत्ति कर का भुगतान नहीं करने के लिए इच्छुक हैं, इसलिए नगर पालिका को सख्त कदम उठाने पड़ रहे हैं। 15 फरवरी तक केवल 8,734 संपत्ति मालिकों ने 50 प्रतिशत जुर्माना छूट का लाभ उठाया था। 15 फरवरी के बाद नगर निगम ऑनलाइन 25 प्रतिशत और ऑफलाइन 22 प्रतिशत छूट दे रहा है। नगर निगम ने टैक्स वसूली के लिए 15 टीमें नियुक्त की हैं और प्रत्येक टीम को प्रतिदिन कम से कम 10 संपत्ति मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने और संपत्ति जब्त करने के साथ ही पानी के कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं। 25 प्रतिशत ऑनलाइन तथा 22 प्रतिशत ऑफलाइन पेनल्टी छूट 31 मार्च तक प्रभावी रहेगी तथा कर भुगतान को सुविधाजनक बनाने के लिए संपत्ति कर भुगतान कार्यालय 31 मार्च तक प्रत्येक अवकाश के दिन भी खुला रहेगा।

श्री संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती सरकारी स्तर पर मनाने का प्रयास किया जाएगा : विधायक किशोर जोरगेवार

> घुग्घुस में कर्मयोगी श्री संत गाडगे महाराज की 149वीं जयंती कार्यक्रम का शानदार आयोजन

चंद्रपुर, सुनील तायडे

कर्मयोगी श्री संत गाडगे महाराज ने अपने कार्यों से समाज को जागृत किया , श्रम की गरिमा का संदेश दिया तथा सम्पूर्ण समाज को एक नया विचार दिया। गाडगे महाराज ने जीवन भर कड़ी मेहनत को सम्मान दिया। उन्होंने समाज को कड़ी मेहनत के महत्व के बारे में आश्वस्त किया। उनकी शिक्षाओं ने कई लोगों को नया रास्ता दिखाया। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करते रहेंगे कि उनकी 150वीं जयंती आधिकारिक तौर पर मनाई जाए और इस संबंध में सरकार से संपर्क किया जाएगा।

धोबी पारित जनकल्याण संस्था , घुग्घुस की ओर से कर्मयोगी श्री संत गाडगे महाराज की 149वीं जयंती कार्यक्रम घुग्घुस में आयोजित किया गया । वे इस कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में धोबी पारित जनकल्याण संस्था के अध्यक्ष सचिन क्षीरसागर, विलास भोसकर , निलेश मुक्के , बाबाराववजी बोबड़े , रामू भासरकर , शेखर तंगड़पल्लीवार , भैया रोहनकर , अनिल तुगिंदवार , संतोष नुने , विवेक बोधे , संजय तिवारी , मधुकर मालेकर , पूर्व नगरसेवक सुभाष कासनगोट्टूवार , दशरथसिंह ठाकुर , विजय बंडावार , गीता क्षीरसागर आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि हमने घुग्घुस शहर के विकास के लिए सभी सुविधाओं के साथ बड़ी मात्रा में निधि उपलब्ध कराई है। यहां फ्लाईओवर का काम चल रहा है और अपने अंतिम चरण में है। यहां सरकारी अस्पताल का काम पूरा हो चुका है। हम भविष्य में इस क्षेत्र में अनेक विकास कार्य करने के लिए कृतसंकल्प हैं। घुग्घुस शहर तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। यहां कई कार्य प्रस्तावित हैं और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न समुदायों के नागरिक रहते हैं , इसलिए हम सामुदायिक भवन बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

आज धोबी पारित जनकल्याण संस्था द्वारा एक बहुत ही शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। भविष्य में महाराज के कार्यों की जागरूकता घर-घर तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न पहल लागू की जानी चाहिए । उनके नाम पर अध्ययन पुस्तकें, व्याख्यान श्रृंखला , सामाजिक जागरूकता शिविर और विभिन्न कार्यक्रम शुरू करना आवश्यक है । इस अवसर पर उन्होंने हम सभी से आज यह संकल्प लेने की अपील की कि हम गाडगे महाराज के विचारों से प्रेरणा लेंगे और समाज के लिए मिलकर काम करेंगे, उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालेंगे तथा उनके कार्यों की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

कर्मयोगी श्री संत गाडगे महाराज सिर्फ एक संत ही नहीं थे , बल्कि वे समाज के लिए प्रकाश स्तम्भ थे। उनका जीवन कड़ी मेहनत, समर्पण और सामाजिक ज्ञान का प्रतीक था। उन्होंने जीवन भर श्रम की गरिमा का संदेश दिया। कड़ी मेहनत का सम्मान किया और समाज में बदलाव लाया। गाडगे महाराज के विचार आज भी उतने ही प्रेरणादायी हैं। धोबी समुदाय अपने विचारों को सामने रखने का ईमानदारी से काम कर रहा है। यह समाज भी मेहनती समाज है। इस समाज की युवा पीढ़ी को अब सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक प्रगति हासिल करनी चाहिए। इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में वे समाज की हर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज इस पवित्र समारोह में भाग लेते हुए मेरे मन में यह दृढ़ संकल्प है कि अगले वर्ष हम गाडगे महाराज की 150वीं जयंती को आधिकारिक रूप से मनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए सरकार से उचित मांग की जाएगी तथा इस महान संत के कार्यों का और अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

गाडगे महाराज सिर्फ एक समुदाय तक सीमित नहीं हैं , बल्कि पूरी मानवता के लिए आदर्श हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर पीढ़ी को अपने काम का सम्मान करना चाहिए । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समुदाय के सदस्य शामिल हुए.

केंद्रीय रिजर्व फोर्स के जवान ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

गडचिरोली.

धानोरा पुलिस थाने में कार्यरत केंद्रीय रिजर्व फोर्स के जवान ने आज अपने आप को गोली मारकर खुदकुशी कर ली. मृतक जवान का नाम गिरिराज रामनरेश किशोर(३०) निवासी आगरा बताया गया है.

मृतक महज पिछले साल अक्तुबर में वह धानोरा के कॅम्प में ज्वॉईन हुआ था. इस दौरान वर्ष जनवरी माह में उसे पुणे में अटॅचमेंट ड्यूटी पर भेजा गया था. वहां से कल रविवार शाम को ही वह धानोरा लौटा था. आज सुबह धानोरा पुलिस थाने में एक मोर्चे पर तैनात था. हालांकि, सुबह करीब नौ बजे के बीच, उसने खुद को अपनी बंदूक से गोली मार ली. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस द्वारा उसे ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. यह जांच करने के बाद ही स्पष्ट होगा कि क्या उसने आत्महत्या की है या गलती से गोली चल गई है. हालांकि, परिवार से दूर रहकर दुर्गम स्थानों पर सेवा करने वाले जवानोंकों के मानसिक तनाव का मुद्दा फिर से सुर्खियों में आ गया है.

उर्वशी रौतेला से शादी करना चाहता है ये इन्फ्लुएंसर!

बॉलीवुड अभिनेत्री और ब्यूटी क्वीन उर्वशी रौतेला एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनकी फिल्म डाकू महाराज या किसी विवाद के कारण नहीं, बल्कि मशहूर इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि (ओरी) के साथ उनकी दिलचस्प सोशल मीडिया बातचीत की वजह से। हाल ही में सोशल मीडिया पर दोनों की बातचीत के बाद नेटिजन्स के बीच उम्मीद पैदा कर दी है कि वे जल्द शादी कर सकते हैं।

मशहूर इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि (ओरी) ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वो रेड कुर्ता और पायजामा पहने नजर आ रहे हैं। आपको बता दें, जैसे ही सोशल मीडिया पर उर्वशी और ओरी के बीच बातचीत हुई, उसके बाद फैंस ने इस रिश्ते पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। दोनों के बीच हुई कमेंट्स एक्सचेंज से उनके चाहने वाले को ऐसा लग रहा है कि वे एक-दूसरे को पसंद करते हैं। हालांकि किसी ने भी इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कहा, लेकिन इन कमेंट्स ने नेटिजन्स की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

इंस्टाग्राम पर उर्वशी और ओरी की बातचीत का स्क्रीनशॉट वायरल हो गया। फैंस इस बातचीत के कई मजेदार मतलब निकाल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "किसी पुरुष से शादी करने वाली पहली भारतीय महिला।" दूसरे ने लिखा, "ओरी से शादी करने वाली पहली भारतीय महिला।" वहीं एक और यूजर ने लिखा हैं कि, "ऋषभ भैया का क्या होगा।" ऐसे एक से बढ़कर एक कई और कमेंट इस पोस्ट पर हैं। इन कमेंट्स से साफ है कि नेटिजन्स इस बातचीत को हल्के में नहीं ले रहे।

फिलहाल दोनों की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सोशल मीडिया पर उर्वशी और ओरी के बीच की बातचीत ने उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं। फैंस अब ये देखने के लिए उत्सुक हैं कि क्या यह मजेदार बातचीत सिर्फ मस्ती थी या सच में कुछ खास होने वाला है।

गाते-गाते रो पड़े सोनू निगम,बाद में मांगी माफी

सोनू निगम इंडस्ट्री के पॉप्युलर सिंगर्स में से एक हैं। इन्होंने दशकों लंबे करियर के दौरान कई यादगार गाने दिए हैं। इन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में कॉन्सर्ट किया, जहां 'भुल भुलैया 3' का गाना 'मेरे ढोलना' गाते हुए रो पड़े।

एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बता रहे हैं कि उनको उम्मीद नहीं थी कि वह कभी ऐसे स्टेज पर रो देंगे। लोग अब इस क्लिप को देख रिएक्ट कर रहे हैं। क्या कह रहे हैं, आइए जानते हैं।

वीडियो में सोनू निगम एकदम जोशील अंदाज में परफॉर्म कर रहे थे। वह एकदम उसमें खोए हुए थे। लेकिन जैसे ही वह खत्म हुआ, उनकी आंखों से आंसू छलक उठे। वह बोल, 'कुछ ऐसा माहौल बन जाता है कि लोग भी उससे कनेक्ट हो जाते हैं। आज पहली बार गाया मेरे ढोलना स्टेज पर, और जैसा माहौल बना, बहुत इमोशनल था। रोना आ रहा था। लेकिन साचो की ले लेता हूं चांस और गा ही रहा था कि इतना रोया हूं स्टेज पर कि कभी. मेरा चलता तो मैं गा रोक देता। लेकिन ऐसा करता तो लोग सोचते कि हमें छेड़कर नहीं गाया।'सोनू निगम ने आगे कहा कि उम्मीद है कि जब वह अगली बार गाना गायेंगे तो वह फिर से रोता हुआ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 2013 में जब उनकी मां का निधन हुआ था, तब वह बहुत रोया करते थे। सोनू ने बताया कि उनकी मां के निधन के बाद के साल मुश्किल थे, जब वह अक्सर स्टेज पर रोया करते थे। उन्होंने वीडियो के अंत में कहा, 'प्यार के लिए शुक्रिया, प्लीज मेरी गलतियों को क्षमा करें। इंसान हूं, हाइपर इमोशनल हो जाता हूं कभी-कभी।'अब इस क्लिप पर सोनू निगम को लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'सोचकर ही इमोशनल हो गए हम। लाइव सुनने वाले खुशनसीब हैं।

दूसरा तेंदुलकर बनने से रह गए करण वीर मेहरा

सलमान खान के कंट्रोवर्शियल शो 'बिग बॉस 18' को खत्म हुए डेढ़ महीना होने को है. सलमान खान ने करणवीर मेहरा को बिग बॉस 18 के फिनाले में विनर घोषित करके सबको चौंका दिया था. खुद करणवीर मेहरा को भी इस बात का अब तक यकीन नहीं हो पाया है कि वो बिग बॉस 18 के विनर बन चुके हैं. इस बात का खुलासा खुद करणवीर मेहरा ने ही किया है. करणवीर मेहरा ने बताया है कि वो अब भी अपनी विनिंग अमाउंट का इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में करणवीर मेहरा भारती सिंह के पॉडकास्ट में पहुंचे थे. यहां पर करणवीर मेहरा ने अपने बचपन और क्रिकेट के बारे में भी बात की. करणवीर मेहरा ने बताया कि वो क्रिकेटर बनते बनते कैसे रह गए. करणवीर मेहरा ने बताया, 'कम उम्र में ही मुझे क्रिकेट खेलना का शौक था. मैंने क्रिकेट खेल खेलकर अपना बचपन बिताया है. मैं एकेडमी में लगातार 4-4 घंट बॉलिंग किया करता था. उस समय मौका मिलना आसान नहीं था. आईपीएल उस समय नहीं था अगर आपका सिकेक्शन होगा तो या तो वन डे या टेस्ट क्रिकेट के लिए होगा. मुझे मौका नहीं मिला. मैं पूरा पूरा दिन फील्ड पर बिताता था. क्रिकेट के मामले में मैं पहुंचा हुआ खिलाड़ी रहा हूं. मैं नाम नहीं लूंगा जिन क्रिकेटर्स से मैंने बॉलें खाई हैं.'

करणवीर मेहरा ने आगे कहा, 'मैंने ऑलराउंडर के साथ भी गेम खेला है. मैं सुबह से शाम तक बस क्रिकेट खेलता था. लंच टाइम में बस थोड़ा सा ब्रेक मिलता था. दिल्लीवाला था. मुझे फेमस होता था. मैंने सोचा या तो क्रिकेटर बनना है या फिर एक्टर. क्रिकेट ने मौका नहीं दिया तो मैंने एक्टर बनने के लिए ऑडिशन दिया. जब मुझे ऑफर कॉल आया तो मुझे मजाक लगा.

हानिया ने शांति प्रिया की तरह दिए पोज

पाकिस्तान की पॉपुलर एक्ट्रेस हानिया आमिर भारत में भी खूब चर्चा में रहती है. कभी वे बादशाह के साथ अफेयर रूमर्स को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं तो कभी दिलजीत दोसांझ के कंसर्ट में नजर आती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस अपने एक वीडियो को लेकर लाइमलाइम में हैं. दरअसल हानिया ने 'ओम शांति ओम' की शांति प्रिया का पॉपुलर सीन रिक्रिएट किया है. हालांकि नेटिजन्स को शायद ये रास नहीं आया.

हानिया आमिर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें वे कार से उतरती हैं और आसपास मौजूद लोग उनके लिए चीयर करने लगते हैं. हानिया इस दौरान राहुल मिश्रा का डिजाइन किया हुआ गोल्डन कलर का शिमरी बॉडीकॉन पहने दिखाई दे रही हैं. इसे उन्होंने मैचिंग नेट दुपट्टे के साथ पेयर किया था. अपने लुक को उन्होंने गोल्डन ईयररिंग्स और खुले बालों के साथ पूरा किया.हानिया वीडियो में 'ओम शांति ओम' की शांति प्रिया (दीपिका पादुकोण) की तरह सभी को हाथ उठाकर हेलो करते नजर आ रही हैं. वे फ्लाइंग किस करती और मुस्कुराती नजर आती हैं. हानिया का ये वीडियो देख कई फैंस को दीपिका पादुकोण की याद आ गई लेकिन कई लोगों को ये पसंद नहीं आया. कुछ लोगों ने एक्ट्रेस को दीपिका से कंपेयर भी किया.

एक यूजर ने लिखा- 'दीपिका बनने की कोशिश कर रही हैं, नहीं बन पाएंगी.' दूसरे ने लिखा- ;अपने आपको दीपिका समझ रही है.' तीसरे ने कमेंट किया- 'दीपिका जैसा नहीं लेकिन बहुत अच्छा था.' इसके अलावा एक यूजर ने लिखा- 'ये गाना सुनते ही बस दीपिका ही नजर आती हैं हर जगह.' एक यूजर का कहना है- 'दीपिका को फिर भी रिप्लेस नहीं कर सकतीं.' वहीं लोग हानिया के लिए 'शांति प्रिया फ्रॉम मीशो' जैसे कमेंट भी कर रहे हैं.

राजकुमार राव स्टारर 'शाहिद' दोबारा होगी रिलीज

राजकुमार राव की दमदार परफॉर्मेंस और हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'शाहिद' एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है। 26 फरवरी को मुंबई के पीवीआर डायनामिक्स जुहू और वर्सोवा होमेज स्क्रीनिंग में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। इस खबर से न सिर्फ फिल्म के फैंस बल्कि खुद निर्देशक हंसल मेहता और अभिनेता राजकुमार राव भी बेहद उत्साहित हैं।

आपको बता दें, फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर के साथ लिखा हैं कि, 26 फरवरी को वर्सोवा होमेज स्क्रीनिंग में 'शाहिद' दिखाने की घोषणा से उत्साहित हूं। यह फिल्म वक्त के साथ और भी मजबूत हुई है। यह हमारे बुरे समय का दर्द कम करने वाला मरहम है।

राजकुमार राव के लिए 'शाहिद' न सिर्फ एक फिल्म हैं, बल्कि उनके करियर की पहचान रही है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा,"वह फिल्म जिसने मुझे परिभाषित किया, जो कई मायनों में मेरी पहली फिल्म है। 26 फरवरी को शाम 5 बजे पीवीआर डायनामिक्स जुहू में स्क्रीनिंग के लिए मिलते हैं।

यह फिल्म वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर आधारित है। जिन्होंने आतंकवाद के झूठे आरोपों में फंसे लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया था। इस किरदार को राजकुमार राव ने बखूबी निभाया है, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। फिल्म में मोहम्मद जीशान अय्यूब, प्रभलीन संधू और बलजिंदर कौर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

आपको बता दें, 2012 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था। इसके बाद फिल्म को मुंबई फिल्म फेस्टिवल, न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल, दुबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे बड़े मंचों पर दिखाया गया और इसे जबरदस्त सराहना मिली थी।

'शाहिद' को मुंबई फिल्म फेस्टिवल में सिल्वर गेटवे ट्रॉफी से सम्मानित भी किया गया था। इसके अलावा 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में राजकुमार राव को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और हंसल मेहता को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड मिला था।

कटरीना पहुंची महाकुंभ में

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में जाकर तमाम बॉलीवुड स्टार्स ने संगम में डुबकी लगाई है. इन स्टार्स के फोटोज और वीडियोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं. अब बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ महाकुंभ में पहुंची हैं. उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की और अपनी खुशी को जाहिर किया है. कटरीना कैफ के साथ उनकी सास वीना कौशल भी नजर आई हैं. बताते चलें कि कटरीना कैफ के पति और बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल पहले ही महाकुंभ में जा चुके हैं. आइए जानते हैं कि कटरीना कैफ ने महाकुंभ पहुंचकर क्या कहा है.बीते करीब डेढ़ महीने से चल रहा महाकुंभ अपने अंतिम पड़ाव पर है. आम से लेकर खास लोग संगम में लगातार डुबकी लगा रहे हैं. अब विक्की कौशल की पत्नी और एक्ट्रेस कटरीना कैफ महाकुंभ में पहुंची हैं. उनके साथ उनकी सास यानी विक्की कौशल की मां वीना कौशल नजर आईं. कटरीना कैफ ने महाकुंभ में स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया है. कटरीना कैफ ने कहा है, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं इस बार यहां आ सकी. मैं सच में खुश और आभारी हूं. मैंने स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की और उनका आशार्वाद लिया. मैं यहां अपना अनुभव शुरू कर रही हूं. मुझे यहां हर चीज की ऊर्जा और सुंदरता और महत्व पसंद है. मैं यहां पूरा दिन बिताने के लिए उत्सुक हूं.'

अक्षय कुमार ने महाकुंभ में किया पवित्र स्नान

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार फिल्मों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं. इस वक्त वो अपनी अपकमिंग फिल्मों का काम निपटा रहे हैं. इसी बीच बिजी शेड्यूल से वक्त निकालकर अक्षय कुमार महाकुंभ पहुंचे. जहां उन्होंने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई. साथ ही बढ़िया इंतजाम के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद भी कहा है.

संगम में डुबकी लगाने के बाद अक्षय कुमार ने मीडिया से बात की और कहा, "बहुत मजा आया. बहुत बढ़िया इंतजाम है. हम यहां के सीएम साहब, योगी साहब का धन्यवाद करते हैं कि इतना अच्छा इंतजाम कर रखा है. मुझे याद है, जब 2019 में पिछला कुंभ हुआ था तो लोग गठरी लेकर आते थे. अब तो इस वक्त तो सब बड़े बड़े लोग आ रहे हैं, अंबानी आ रहे हैं अडाणी आ रहे हैं, बड़े बड़े एक्टर आ रहे हैं. तो इसे कहते हैं महाकुंभ, किस हिसाब से इंतजाम किया हुआ है. ये बहुत ही बहुत ही बढ़िया है."

इस दौरान अक्षय कुमार ने महाकुंभ में तैनात पुलिसवालों और वहां काम करने वालों का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा कि इन लोगों ने यहां सबका इतना ध्यान रखा है. इनका हाथ जोड़कर बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं. इसके बाद शानदार व्यवस्था के लिए सबको शुक्रिया कहा. सिंपल सफेद कुर्ता-पजामा में अक्षय कुमार नजर आ रहे हैं. हालांकि, एक्टर की एक झलक पाने के लिए लोगों की भारी भीड़ भी दिखाई दी. प्रयागराज पहुंचे अक्षय कुमार की कुछ झलकियां सामने आईं हैं. जहां वो भक्ति में लीन दिखाई दे रहे हैं. भारी-भीड़ के बीच अक्षय कुमार फुल सिक्योरिटी के बीच संगम में पवित्र स्नान के लिए पहुंचे हुए थे.

दरअसल वीडियो में अक्षय कुमार पूजा करते हुए दिखाई दे रहे हैं. वहीं दूसरी ओर लोग उन्हें देख रहे हैं. एक नहीं, आसपास खिलाड़ी कुमार के कई फैन्स दिखाई दिए. आज यानी 24 फरवरी को महाकुंभ का 43वां दिन है. दो दिन बाद ये खत्म होने जा रहा है. ऐसे में आखिरी दो दिनों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है. वहीं दूसरी ओर फिल्मी सितारे भी महाकुंभ पहुंच रहे हैं.

सान्या की 'मिसेज' पर बिना नाम लिए भड़कीं कंगना

हाल ही में सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेज' रिलीज हुई, ये फिल्म एक इंडियन फैमिली में औरत की कहानी दिखाता है. हालांकि, जहां फिल्म को काफी सारे लोगों का सपोर्ट मिला है, तो वहीं हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने इस फिल्म का बिना नाम लिए इसे निगेटिव कमेंट किया है. कंगना ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्टोरी शेयर करते हुए इस फिल्म को पूरी तरह से गलत बताया है. हालांकि, उनके ये विचार कई सारे लोगों को पसंद नहीं आई है, जिसके बाद से लोग उनकी इस स्टोरी पर अपना रिएक्शन शेयर कर रहे हैं.

कंगना अक्सर ही लोगों के बीच किसी न किसी टिप्पणी को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. हाल ही में इसकी वजह सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज है. दरअसल, कंगना ने इस फिल्म का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनकी स्टोरी देखकर सभी लोगों ने इसका अंदाजा लगा लिया कि वो किस फिल्म को लेकर बात कर रही हैं. कंगना ने अपनी स्टोरी में लिखा, बड़े हुते हुए मैंने ऐसी कोई भी महिला नहीं देखी है, जो अपने घर पर खुद का हुक्म नहीं चलाती है. उन्होंने आगे लिखा कि घर की औरतें बहुत कुछ कंट्रोल करती हैं और हम उनकी ही तरह बनने की उम्मीद भी करते हैं. इंडियन जॉइंट फैमिली को नॉर्मल बनाए और घर के किसी बुजुर्ग को विलेन बनाना बंद करें.

इसके साथ ही एक्ट्रेस ने लिखा कि घर की औरतों को पेड लेबर से कंपेयर करना भी बंद कर दें. आगे उन्होंने अपनी स्टोरी में ये भी इनडायरेक्ट तरीके से बताया है कि ये फिल्म तलाक को बढ़ावा दे रही है. इसके लिए उन्होंने लिखा कि हम सभी लोगों की सबसे बड़ी ताकत परिवार होता है, तो आइए तलाक को सपोर्ट न करें, आइए आजकल की जनरेशन को माता-पिता का साथ छोड़ने या फिर बच्चा न पैदा करने जैसे ख्यालों से बचाए और इसके लिए बिल्कुल भी सपोर्ट न करें. उन्होंने कहा कि कई बॉलीवुड लव स्टोरीज ने शादियों के कॉन्सेप्ट को खराब कर दिया है.कंगना की ये बात कई सारे लोगों को काफी बुरी लगी है. एक रेडिट यूजर ने एक्ट्रेस की स्टोरी को शेयर करते हुए उन पर निशाना साधा है. हालांकि, केवल उन्होंने ने ही नहीं बल्कि और भी यूजर्स ने कंगना के खिलाफ बोला है. एक यूजर ने लिखा है कि ये बोलने से अच्छा शादी कर ले, फिर बच्चा पाले, अपने पैरेंट्स का ध्यान रखें, खाना बनाए और एक एग्जांपल सेट करें और अपना धर्म पूरा करें. तो वहीं दूसरे ने लिखा है कि ये बिल्कुल ही बेतुकी सी बात है. वहीं कुछ ने फिल्म की स्टोरी लाइन की तारीफ करते हुए उसे अच्छा कहा है.

सचिन तेंदुलकर का ऐतिहासिक दोहरा शतक, 15 साल पूरे

नई दिल्ली. क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के लिए 24 फरवरी का दिन काफी खास है. इसी दिन वह पहले खिलाडी बन गए थे, जिसने वनडे में दोहरा शतक ठोका था. आज यानी 24 फरवरी 2025 को उस ऐतिहासिक लम्हें के 15 साल पूरे हो चुके हैं. सचिन तेंदुलकर ने ये कारनामा साउथ अफ्रीका के टीम के खिलाफ किया था. वह फिलहाल इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में इंडिया मास्टर्स टीम की कप्तानी कर रहे हैं. इस लीग के बीच सचिन के साथ खिलाड़ियों ने उन्हें एक बड़ा सरप्राइज दिया.

सचिन को मिला डबल सेंचुरी लगाने का खास इनाम

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में क्रिकेट लीजेंड्स खेल रहे हैं, जिसमें सचिन तेंदुलकर का नाम भी शामिल है. सचिन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने दोहरे शतक के 15 साल पूरे होने का जश्न मनाया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि सचिन प्रैक्टिस से वापस ड्रेसिंग रूम में लौट रहे थे, जहां युवराज सिंह समेत बाकी सभी खिलाड़ी केक के साथ उनका इंतजार कर रहे थे. इसके बाद सचिन ने केक कट किया और सभी खिलाड़ियों का धन्यवाद किया. उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ढेर सारे प्यार से भरा अच्छा सरप्राइज! धन्यवाद टीम.

2010 में साउथ अफ्रीका की टीम भारत दौरे पर आयी थी. इस दौरान दोनों ही टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गई थी. सीरीज का दूसरा मैच 24 फरवरी को ग्वालियर के कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में खेला गया था. सचिन तेंदुलकर ने इसी मुकाबले में 147 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 200 रन बनाए थे, जिसमें 25 चौके और 3 छक्के शामिल थे. इसी के साथ वह पहले खिलाडी बन गए थे, जिसने वनडे में दोहरा शतक ठोका था.

बता दें, वनडे क्रिकेट की शुरुआत 5 जनवरी 1971 को हुई थी. लेकिन इस फॉर्मेट में दोहरे शतक का इंतजार 39 साल के बाद खत्म हुआ था. उनकी इस रिकार्डतोड़ पारी से भारत ने तीन विकेट पर 401 रन बनाए थे. वहीं, साउथ अफ्रीक की टीम 42.5 ओवरों में 248 रन पर ढेर हो गई थी. जिसके चलते भारत ने 153 रनों से मैच जीता था और सीरीज भी अपने नाम कर ली थी. ये उस समय वनडे क्रिकेट की सबसे बड़ी पारी भी थी. हालांकि बाद में कई खिलाड़ियों ने इस कारनामे को दोहराया है.

रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में सीएसके की नई शुरुआत

श्रीधरन बने सहायक गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली. चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक है। टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पांच बार आईपीएल का खिताब जीता है। अब आईपीएल 2025 से पहले ही चेन्नई की टीम ने बड़ा फैसला लेते हुए श्रीधरन श्रीराम को सहायक गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। श्रीराम के पास अपार अनुभव है, जो सीएसके की टीम के काम आ सकता है। सीएसके में पहले सहायक गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी ड्वेन ब्रावो संभाल रहे थे। लेकिन अब वह कोलकाता नाइट राइटर्स के मेंटर बन गए हैं।

श्रीधरन श्रीराम साल 2016 से 2022 तक ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच थे। उन्होंने आरसीबी की टीम के साथ बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया। फिर अगस्त 2022 में उन्हें एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले बांग्लादेश का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया था। वह बांग्लादेश की टीम के लिए टेक्निकल कंसलटेंट की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

आईपीएल 2024 के लिए श्रीधरन श्रीराम लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के सहायक कोच थे। वह दिल्ली कैपिटल्स के भी सहायक कोच रह चुके हैं। अब चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में वह हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बैटिंग कोच माइक हसी के साथ काम करने के लिए उत्सुक होंगे। सीएसके की टीम में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और नूर अहमद जैसे स्पिनर्स शामिल हैं।

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगी और रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई में उनकी निगाहें खिताब जीतने पर होंगी। पिछले सीजन गायकवाड़ की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। आ

पाकिस्तानी फैंस की निराशा "सालाना बेइज्जती अब बर्दाश्त नहीं होती"

नई दिल्ली. भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में हार से पाकिस्तानी फैंस बहुत निराश हैं. कोई टीवी तोड़ रहा है तो कोई सोशल मीडिया के माध्यम से निराशा व्यक्त कर रहा है. उसने आईसीसी से गुहार लगाई कि भारत और पाकिस्तान को आगे से अलग-अलग ग्रुप में रखा जाए, क्योंकि पाकिस्तानी फैंस अपनी टीम को हारता देख थक चुके हैं. आईसीसी से आग्रह करते हुए कहा, "मैं पाकिस्तानी टीम का फैन होने के नाते आईसीसी से आग्रह करता हूं कि आगे से भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखने की कृपा करें. हम साल दर साल हार झेलने की निराशा से त्रस्त हो चुके हैं. अगर ऐसा संभव नहीं है तो कम से कम इन हाई-प्रोफाइल मैचों से होने वाले मुनाफे का कुछ हिस्सा पाकिस्तानी फैंस में बांट दिया करें. जिससे इस पैसे से हम अस्पताल जाकर अपना इलाज करवा सकें क्योंकि ये सालाना बेइज्जती अब हमसे बर्दाश्त नहीं होती." पाकिस्तान की वनडे मैचों में भारत के खिलाफ आखिरी जीत 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में आई थी. उसके बाद दोनों की एशिया कप में चार बार भिड़ंत हो चुकी है, जिनमें से 3 बार टीम इंडिया विजयी रही है और एक मैच का परिणाम नहीं निकल सका था. 2019 और 2023 के ओडीआई वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम विजयी रही थी. अब चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम इंडिया ने पाक टीम को 6 विकेट से रौंद डाला है.

विराट कोहली का क्रेज पाकिस्तान में

पाक खिलाड़ियों का फोटो खिंचवाने का जुनून

दुबई.

पाकिस्तान में विराट कोहली का क्रेज है, ये तो सुना था. लेकिन, उनके स्टारडम का जलवा पाकिस्तानी टीम के अंदर भी हद से ज्यादा है. इसकी झलक चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद दुबई के मैदान पर दिखी. अब ये तो सब जान ही गए हैं कि मैच का हाल क्या रहा? भारत ने पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट में एक बार फिर से हरा दिया है. पाकिस्तानी टीम को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. लेकिन, उस हार के बाद क्या

हुआ? पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने दुबई के मैदान पर भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली के साथ फोटो खिंचाने के लिए लाइन लगा दी.

हार के बाद विराट ने पाक खिलाड़ियों को ऐसे किया खुश

टीम इंडिया के हाथों मिली हार के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों का एक-एक कर विराट कोहली के साथ फोटो खिंचाने का वीडियो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो चुका है. सामने आए वीडियो में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के अंदर विराट कोहली का क्रेज साफ देखा जा सकता है. उनके अंदर विराट के साथ एक फोटो खिंचाने की बेताबी साफ नजर आई. खैर, विराट कोहली ने भी उन सबको निराश नहीं किया और सबके साथ फोटो खिंचाने के बाद ही अपनी जगह से हिले. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुए इस महामुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. उसने पहले बैटिंग करते हुए 49.4 ओवर में ऑलआउट होकर 241 रन बनाए. पाकिस्तान की ओर से साउद शकील ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए. लेकिन, उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक की दहलीज नहीं पार कर सका. अब भारत के सामने जीत के लिए 242 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने अपनी बेजोड़ बल्लेबाजी के दम पर 45 गेंद पहले ही हासिल कर लिया. टीम इंडिया ने पाकिस्तान से मिले लक्ष्य को 4 विकेट खोकर 42.3 ओवर में हासिल किया. मतलब पहले ही मुकाबले की तरह उसने पाकिस्तान के खिलाफ खेला अपना दूसरा मैच भी जीत लिया.

मीरा आंद्रिवा ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

दुबई.

रूस की 17 वर्षीय महिला टेनिस खिलाड़ी मीरा आंद्रिवा ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए दुबई टेनिस चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया है। मीरा ने महिला एकल के फाइनल में डेनमार्क की खिलाड़ी क्लारा टुसोन को 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। मीरा ने 17 साल 299 दिन की आयु में यह खिताब जीता है और वह डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बनने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। इस जीत से खुश मीरा ने कहा कि वह अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतकर रोमांचित महसूस कर रही हैं।

मीरा ने काफी छोटी उम्र से अपनी बड़ी बहन के साथ टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। वह स्विट्जरलैंड के पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर और अमेरिका बास्केटबॉल खिलाड़ी लिबोर्न जेम्स को अपना आदर्श मानती हैं। मीरा ने कहा कि वे इन दोनों खिलाड़ियों के कई इंटरव्यू देखती हैं और जिंदगी में उनके जैसा बनने की कोशिश करती हैं। मीरा आंद्रिवा पिछले 20 साल में 18 साल की उम्र से पहले डब्ल्यूटीए खिताब जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी हैं। इस सूची में मारिया शारापोवा (रूस), मिशेला क्राजिसेक (नीदरलैंड्स), निकोल वेडिसोवा (जर्मनी) और कोको गॉफ (अमेरिका) शामिल हैं। पिछले कुछ सप्ताह मीरा के लिए बेहद यादगार रहे हैं। यहां अपने खिताबी सफर के दौरान मीरा ने तीन दिग्गज खिलाड़ियों को हराया। उन्होंने दुनिया की नंबर एक बेलारूसी खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, पोलैंड की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्विटेक और सातवें नंबर की रूसी खिलाड़ी एलेना सबालेंका की चुनौती खत्म की। दुबई ओपन चैंपियनशिप जीतने के बाद मीरा सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस खिलाड़ियों में जगह बना लेंगी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर कायम हैं।

खिताब जीतने के बाद मीरा ने कहा कि मैंने सीजन की शुरुआत से पहले अपने लक्ष्य बनाया था कि इस साल के अंत तक शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह बनानी है। मुझे खुशी है कि मैं अपने लक्ष्य में सफल रही। यह खिताब मेरे लिए बेहद अहम हैं लेकिन मुझे अभी लंबा सफर तय करना है।

पीयू की पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन

मुंबई.

पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू), चंडीगढ़ ने सोमैया यूनिवर्सिटी, मुंबई में आयोजित ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पीयू पुरुष टीम ने केरल यूनिवर्सिटी के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 3-1 से जीत हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि महिला टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में, पीयू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ केरल विश्वविद्यालय पर दबदबा बनाया। जे. विलियम्स (केरल यूनिवर्सिटी) ने सोनू (पीयू) के खिलाफ 3-2 से करीबी मैच जीता, लेकिन पीयू ने वापसी की और पृथ्वी यादव ने अतुल एएस (केरल यूनिवर्सिटी) को 3-1 से हराया, अभिषेक ने एल्विस सनल (केरल यूनिवर्सिटी) को 3-0 से हराया और अखिलेश ने आइफीन (केरल यूनिवर्सिटी) को 3-0 से हराकर जीत पक्की कर ली। इससे पहले, पीयू सेमीफाइनल में अंतिम चैंपियन सोमैया यूनिवर्सिटी से 3-0 से हार गई थी, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी ने दूसरे सेमीफाइनल में केरल यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराया था। फाइनल में सोमैया यूनिवर्सिटी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराकर खिताब जीता। पीयू की लड़कियों की टीम ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। वे पांडिचेरी यूनिवर्सिटी (वॉकओवर) को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, डॉ. बीएएम यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद 3-1, एलएनआईपीई ग्वालियर 3-0, और

इंदिरा गांधी कॉलेज ने महिला हैंडबॉल और कबड्डी चैंपियनशिप में जीते खिताब

नई दिल्ली.

विश्वविद्यालय की इंटर कॉलेज चैंपियनशिप 2024-25 में इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान की महिला हैंडबॉल और कबड्डी टीमों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में हुए महिला हैंडबॉल फाइनल में इंदिरा गांधी कॉलेज की टीम ने जीसस एंड मेरी कॉलेज को 15-8 के स्कोर से हराकर चैंपियन बनी। कप्तान आकांशा के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन कौशल और तालमेल का प्रदर्शन किया।टूर्नामेंट के दौरान कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन इंदिरा गांधी कॉलेज की टीम ने फाइनल में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए विरोधी टीम को कोई मौका नहीं दिया। इस उपलब्धि के बाद इंदिरा गांधी कॉलेज की 9 खिलाड़ियों को नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी कैंप के लिए चुना गया है। चयनित खिलाड़ियों में आकांशा, तनीषा, रुखसार बानो, काजल, अंजलि, खुशबू, भाविका, तनीषा बनर्जी और रिया त्यागी शामिल हैं। यह चयन इन खिलाड़ियों के शानदार खेल और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है।

कबड्डी में भी इंदिरा गांधी कॉलेज का जलवा

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में आयोजित महिला इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल में इंदिरा गांधी कॉलेज की टीम ने लक्ष्मी बाई कॉलेज को 89-14 के बड़े अंतर से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट में इंदिरा गांधी कॉलेज का दबदबा रहा। टीम ने अपने मुकाबलों में सत्यवती कॉलेज को 34-4, एसपीएम कॉलेज को 46-23, दयाल सिंह कॉलेज को 62-7 और फाइनल में लक्ष्मी बाई कॉलेज को हराया।इंदिरा गांधी कॉलेज की कबड्डी टीम की चार खिलाड़ी श्रुति रौतेला (बीपीईडी), अंजलि (बीएससी VI सेमेस्टर), दीपिका (बीएससी प्रथम सेमेस्टर) और रुखसाना (बीएससी प्रथम सेमेस्टर) ने नॉर्थ जोन यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया। संस्थान की इन उपलब्धियों के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत के साथ-साथ कॉलेज प्रशासन का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर संदीप तिवारी, शासी निकाय के अध्यक्ष वरिष्ठ प्रोफेसर बिनय कुमार और कोषाध्यक्ष वरिष्ठ प्रोफेसर सुभो मजूमदार के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से टीम को शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली।

मास्टर वेटरन बैडमिंटन चैंपियनशिप की कांगड़ा जोड़ी बनी चैंपियन

नई दिल्ली.

सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में खेली जा रही हिमाचल प्रदेश मास्टर वेटरन बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दिन रविवार को खेले गए मिक्स डबल्स फाइनल मुकाबले में कांगड़ा के विश्वनाथ मलकोटिया और उर्वशी थापा हिमाचल चैंपियन बने। उन्होंने सिरमौर के सोहनलाल और सीमा परमार को पराजित किया। इसके अलावा प्रतियोगिता में आज विभिन्न आयु वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। 35 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले में कांगड़ा के गौरव कपूर ने सिरमौर के विक्रांत शर्मा को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। इसी आयु वर्ग में मंडी के दातुल चौहान ने सोलन के भूपिन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 50 वर्ष आयु वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में शिमला के विकास सूद ने सोलन के दीपक दत्ता को हराकर और सोलन के महेंद्र सिंह ने सिरमौर के हरदेश विष्ट को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसी तरह 70 वर्ष आयु वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में सोलन के हरिदत्त ने कल्लू के मंगतराम को और सोलन के जेएस वर्मा ने कांगड़ा के मधुसूदन भारद्वाज को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

इसी तरह 40 वर्ष आयु वर्ग के डबल मुकाबले में कुल्लू के दीपक और प्रकाश विजय रहे। उन्होंने सिरमौर के धनवीर सिंह और सुनील तोमर को पराजित किया। 40 वर्ष आयु वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में शिमला के हिमांशु परमार और सनी पापटा ने सोलन के अरुण रावत और शिव को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। 35 वर्ष आयु वर्ग के डबल मुकाबले में कांगड़ा के गौरव और संदीप ने भूपिन और उदित करोल को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

शिखर धवन ने फील्डिंग अवार्ड के लिए फील्डर को किया सम्मानित

दुबई. शिखर धवन भारत पाकिस्तान मैच के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम पहुंचे. उन्हें टीम द्वारा उस फील्डर को मेडल देने के लिए बुलाया गया था, जिसने मैच में फील्डिंग से महत्वपूर्ण योगदान दिया और इस अवार्ड को जीता. धवन ने जब रूम में एंटर किया तब रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत सभी प्लेयर्स काफी खुश हो गए. भारत के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने पहले टीम के प्लेयर्स के सामने बेस्ट फील्डिंग अवार्ड के लिए कंटेंडर्स खिलाड़ियों के नाम लिए. उन्होंने केएल राहुल, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर के रूप में 4 खिलाड़ियों के नाम लिए और उनकी फील्डिंग के लिए सराहना भी की. इस खास अवार्ड को देखें के लिए पूर्व क्रिकेटर और इस चैंपियंस ट्रॉफी के ब्रैंड एंबेसडर शिखर धवन ड्रेसिंग

रूम में आए. धवन ने विराट कोहली की बल्लेबाजी की तारीफ़ करते हुए पूरी टीम को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के लिए बधाई दी. शिखर धवन ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए बेस्ट फील्डर के रूप में अक्षर पटेल के नाम की घोषणा की. अक्षर को उन्होंने मेडल पहनाया. आपको बता दें कि अक्षर पटेल ने शानदार थ्रो करते हुए सलामी बल्लेबाजी इमाम उल हक़ को रन आउट किया था.

'वतन को जानो' कार्यक्रम में अमित शाह का संदेश

> छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील

नई दिल्ली.

गृहमंत्री अमित शाह ने 'वतन को जानो' कार्यक्रम के तहत जम्मू कश्मीर से आए 200 स्कूली छात्रों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि 'आपके वतन के 30 कमरे हैं यानी देश में 30 राज्य हैं, ऐसे में आपको उन कमरों को देखना होगा मतलब राज्य की यात्रा करनी होगी तभी आप देश यानी घर को जान पाएंगे उसे समझ पाएंगे. उन्होंने कहा कि हमारा देश हमारा घर है. अपने घर को हमें जानना होगा. शाह ने छात्रों से कहा कि अगर पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बनना है तो पूरे देश में काम करना होगा.

मंत्री ने छात्रों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को समाप्त कर सारे राज्यों को एक जैसा बना दिया. पूरे वतन को एक कर दिया. उन्होंने कहा कि कश्मीर के बच्चों का देश पर उतना ही अधिकार है जितना दिल्ली या राजस्थान के बच्चों का है. इस बात को जानने के लिए ही सभी छात्रों को दिल्ली बुलाया गया है. कश्मीर के साथ साथ 29 रियासतों पर आपका अधिकार हो इसलिए 'वतन को जानो' ये कार्यक्रम चलाया गया है. उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में शांति हो ही गई है और इस शांति को बच्चों को बरकरार रखना है.

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के समन्वय से जम्मू और कश्मीर सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा वतन को जानो कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. गृह मंत्रालय और जम्मू और कश्मीर सरकार जम्मू-कश्मीर के युवाओं और बच्चों को हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देने के लिए यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम आयोजित करते हैं.

'देश को पहचानने का कार्यक्रम है 'वतन को जानो'

शाह ने कहा कि 'वतन को जानो' कार्यक्रम हमारे देश को पहचानने का कार्यक्रम है. उन्होंने कहा कि जैसे जम्मू कश्मीर एक राज्य एक रियासत है इसी तरह देश में 30 अलग-अलग रियासतें एकत्र होकर हमारा एक देश बनता है और इस देश का नाम भारत है, कुछ लोग इसे हिंदोस्तान भी कहते हैं. उन्होंने कहा कि इसी देश को पहचानने के लिए आप सभी को यहां लाने का कार्यक्रम बनाया गया है.

'80 फीसदी घरों में नल का पानी पहुंचा दिया गया'

इसके आगे शाह ने कहा कि जिस कश्मीर में पहले पीने का पानी नल से नहीं आता था, वहां अब 80 फीसदी घरों में नल का पानी पहुंचा दिया गया है. कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज कश्मीर में बन गया है, जिसे देखने के लिए पूरी दुनिया यहां आएगी. इसके साथ ही एशिया की सबसे बड़ी टनल कश्मीर में हैं वहीं 2 एम्स अस्पताल भी सिर्फ जम्मू कश्मीर में ही हैं.

विकास और अवसर पर छात्रों को राजनाथ सिंह का संदेश

नई दिल्ली.

भारत का तकनीकी क्षेत्र बढ़ रहा है और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनकर उभर रहा है. अगले पांच साल में इसके 300-350 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है. आज सबसे बड़ी चुनौती न केवल तेजी से बदलती तकनीक के साथ तालमेल बिठाना है, बल्कि नई तकनीकें बनाना भी है. ये बातें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईआईटी मंडी के 16वें स्थापना दिवस पर कहीं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छात्रों को विकास और अवसर के इस टाइम का फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया. राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आईआईटी मंडी से रक्षा-संबंधी टेक्नोलॉजी में अधिक भूमिका निभाने के लिए कहा. उन्होंने डीआरडीओ के साथ मौजूदा सहयोग की सराहना की. साथ ही स्वदेशी एआई चिप, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में और अधिक योगदान देने के लिए कहा.

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में भारत की प्रगति को लेकर कहा कि देश ने गोला-बारूद उत्पादन में 88% आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है. 2023-24 में रक्षा निर्यात करीब 23 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. हमारा लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है.

राजनाथ सिंह ने देश में मजबूत रक्षा उद्योग बनाने में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया.

राजनाथ सिंह ने छात्रों से 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए आईआईटी के सिद्धांतों का पालन करने की सलाह दी. राजनाथ सिंह ने उन्हें ज्ञान की खोज में साहसी बनने और चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ रहने के लिए भी प्रेरित किया. उन्होंने देश के भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस और लचीलेपन की आवश्यकता के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा, आज सबसे बड़ी चुनौती तेजी से बदलती तकनीक के साथ तालमेल बिठाना है, लेकिन नई तकनीकें बनाना भी है.

रमजान में खजूर का 70% निर्यात

नई दिल्ली.

इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना रमजान कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है. इसके लिए पूरी दुनिया के मुसलमान तैयारी में जुटे हैं. जहां इस महीने को इबादत का महीना कहा जाता वहीं कई बिजनेस के लिए ये मुनाफे का महीना भी है. 30 दिनों तक रखे जाने वाले रोजों में खजूर एक खास फल माना जाता है. रमजान में सबसे ज्यादा बिकने वाले सामानों में खजूर सबसे ऊपर आती है. सऊदी अरब सिर्फ तेल ही नहीं बेचता बल्कि खजूर का भी ये सबसे बड़ा उत्पादक है. सऊदी अरब की खजूर पूरी दुनिया में एक्सपोर्ट की जाती है और रमजान में इसकी खरीदारी कई गुना बढ़ जाती है. रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब अपने खजूर एक्सपोर्ट का 70 फीसद एक्सपोर्ट सिर्फ रमजान में ही करता है.

सऊदी अरब के पर्यावरण जल और कृषि मंत्रालय ने बताया कि सऊदी अरब से खजूर का निर्यात 2022 में एक साल पहले की मुकाबले में 5.4 फीसद से बढ़कर 1.28 बिलियन सऊदी रियाल (340 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया है.

डेटा से पता चलता है कि किंगडम ने 300 से ज्यादा प्रकार के खजूर निर्यात किए, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के मुताबिक 113 देशों में मूल्य के मामले में किंगडम पहले स्थान पर है.

सऊदी अरब सिर्फ खजूर दूसरे देशों को बेचता नहीं है, बल्कि रमजान के मौके पर गिफ्ट भी देता है. इस साल सऊदी अरब सरकार ने 700 टन खजूर दुनिया के 102 देशों में गिफ्ट के तौर पर भेजी है. ये गिफ्ट किंग सलमान की ओर से भेजे जा रही हैं.

ये पहली बार नहीं है, ऐसे सऊदी अरब हर साल करता है हर साल की परंपरा को इस साल भी जारी रखा गया है. इस साल पिछले साल से 200 टन ज्यादा यानी 700 टन खजूर दूसरे देशों में भिजवाई जाएगी. इस प्रोग्राम की देखरेख इस्लामिक अफेयर मिनिस्ट्री ऑफ सऊदी कर रही है.

नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता का आगाज

> अनेक राज्यों की 18 टीमें ले रहीं हिस्सा

नई दिल्ली.

पटना में मंगलवार से अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन होने जा रहा है. बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में यह आयोजन केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड, भारत सरकार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. कल यानी 25 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक पटना के राजवंशी नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में इस समारोह का उद्घाटन होगा.

इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा होंगे. विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार के विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे. उद्घाटन समारोह 25 फरवरी 2025 को संध्या 5:30 बजे, ऊर्जा ऑडिटोरियम, राजवंशी नगर, पटना में आयोजित किया जाएगा.यह प्रतियोगिता कई सांस्कृतिक विधाओं में आयोजित होगी जिसमें लघु नाट्य प्रतियोगिता 25 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित होगी, संगीत प्रतियोगिता 28 फरवरी फरवरी से 2 मार्च तक चलेगी. वहीं 3 मार्च को नृत्य प्रतियोगिता होगा. प्रतियोगिता का आयोजन लघु नाट्य, हिन्दुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, पाश्चात्य गायन, लोक गायन, वाद्य संगीत सहित विभिन्न श्रेणियों में किया जा रहा है. सभी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सिविल सेवा पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा. सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अभिनेत्री, गायक समेत सभी विधाओं में पुरस्कार वितरण किए जाएंगे.

आयोजन समिति के अध्यक्ष कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार हैं. आयोजन समिति के सचिव वित्त विभाग के विशेष सचिव राहुल कुमार हैं. भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग अंतर्गत केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड के तत्वावधान में बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सांस्कृतिक प्रभाग द्वारा यह आयोजन कराया जा रहा है.

सुरक्षा कारणों से हुई फ्लाइट डायवर्ट

> रोम में फंसे यात्रियों ने जताई चिंता

वॉशिंगटन.

अमेरिका से दिल्ली जा रही अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट रविवार को अचानक रोम पहुंच गई, जिससे एयरपोर्ट से लेकर विमान में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। इस बीच भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने दर्दभरा मैसेज लिखा है। भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने दावा किया है कि सुरक्षा संबंधी समस्या के कारण उसकी फ्लाइट का रास्ता बदल दिए जाने के कारण वह रोम में फंस गया। रोम में फंसे यात्री ने कहा,संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) के अनुसार, कथित 'सुरक्षा समस्या' के कारण रविवार को न्यूयॉर्क से नई दिल्ली जाने वाली उड़ान को अचानक रोम की ओर मोड़ दिया गया। 'मैं बहुत तनाव में हूं।'

एक्स यूजर लकी चावला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अमेरिकन एयरलाइंस से मदद मांगी, क्योंकि उनकी फ्लाइट का रास्ता बदल दिया गया था और उनका बैग गायब हो गया था।

यात्री ने लिखा, बम की धमकी के कारण सुरक्षा कारणों पर हुई फ्लाइट डायवर्ट, रोम में फंसे यात्रियों ने जताई चिंताए 292 का मार्ग बदल दिए जाने से मैं रोम के एक होटल में फंस गया हूं, मेरे चेक किए गए बैग एयरपोर्ट पर हैं। क्रू और ग्राउंड स्टाफ कमाल के थे, लेकिन मैं बहुत तनाव में हूं - मुझे अपनी ट्रिप को फिर से बुक करने के लिए अपने बैग की तत्काल आवश्यकता है। कोई मदद नहीं मिल पा रही है। कृपया मदद करें।

अमेरिकन एयरलाइंस ने उनके पोस्ट का जवाब दिया और माफी मांगते हुए उन्हें मदद का आश्वासन दिया। जवाब में लिखा था, 'हमें यह सुनकर दुख हुआ कि आप अपना बैग नहीं ले पाए। हमने एफसीओ में अपनी टीम से संपर्क किया है, ताकि हम आपको अतिरिक्त जानकारी दे सकें।'

फ्लाइट में सवार थे 199 लोग

अमेरिकन एयरलाइंस ने बताया कि फ्लाइट 292, में199 लोग सवार थे। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुए रोम के लियोनार्डो दा विंची अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद फ्लाइट का निरीक्षण किया गया और उसे फिर से टेकऑफ करने की अनुमति दे दी गई। एयरलाइन ने जानकारी दी कि विमान रोम में रात भर रुकेगा ताकि पायलट दल को आवश्यक आराम मिल सके और फिर कल दिल्ली के लिए रवाना हो सके।

पुरुष धोती-कुर्ता, महिलाएं साड़ी पहनकर आएं

> तभी इस शिव मंदिर में मिलेगी एंट्री

मेरठ.

मेरठ के सम्राट पैलेस स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा. यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां भगवान त्रिपुर सुंदर महादेव विराजमान हैं. इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां स्फटिक शिवलिंग स्थापित है, जिसमें शिव और शक्ति दोनों का वास माना जाता है.महाशिवरात्रि पर यहां रात भर पूजा-अर्चना और शिव का अभिषेक किया जाएगा, जिसमें भक्तों का जमावड़ा उमड़ेगा. राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा के लिए शास्त्रों के अनुसार विशेष नियम हैं. मंदिर के ब्रह्मचारी राधिकानंद के अनुसार, यहां आने वाले पुरुषों को धोती-कुर्ता पहनकर ही गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति मिलेगी.

वहीं, महिलाएं साड़ी में ही पूजा कर सकती हैं. यदि श्रद्धालु जींस, पैंट या अन्य आधुनिक कपड़े पहनकर मंदिर आते हैं तो उन्हें पूजा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यह नियम प्राचीन परंपराओं को बनाए रखने और शास्त्रों के अनुसार पूजा करने के उद्देश्य से लागू किया गया है.

राजराजेश्वरी मंदिर की स्थापना ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज ने की थी, जो दो प्रमुख पीठों के शंकराचार्य थे. उनके द्वारा स्थापित स्फटिक शिवलिंग, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी तरह का एकमात्र शिवलिंग माना जाता है. इस शिवलिंग की विशेषता यह है कि इसमें शिव और शक्ति दोनों का वास माना जाता है, इसलिए इसे पूजा करने से दोनों देवताओं की पूजा होती है.

महाशिवरात्रि के दिन यहां रात्रि जागरण, विशेष पूजन और रुद्राभिषेक का आयोजन होने वाला है. श्रद्धालु बेलपत्र, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से रुद्राभिषेक करेंगे. रातभर यह क्षेत्र भगवान शिव के भजन-कीर्तन से गूंजेंगे, जिससे वातावरण भक्तिमय हो जाएगा

मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंदिर में प्रवेश से पहले शास्त्रों के अनुसार विशेष परिधान पहनकर आएं. इस तरह से उनकी श्रद्धा और भक्ति पूरी तरह से स्वीकार हो सकेगी. महाशिवरात्रि के इस पवित्र दिन पर, भगवान शिव और मां जगदम्बा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचेंगे, जहां उनकी भक्ति और श्रद्धा का सही रूप में सम्मान होगा.

जमात-ए-इस्लामी की राजनीति में फुल एंट्री

> बनाया नया राजनीतिक मोर्चा

नई दिल्ली.

जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर जमात-ए-इस्लामी अब आधिकारिक तौर पर राजनीति में उतर गई है. इसके साथ ही जमात-ए-इस्लामी ने एक नई राजनीतिक पार्टी भी शुरू की है. जो संगठन के मुताबिक क्षेत्र के विकास और शांति की दिशा में काम करेगी. नई पार्टी का नाम जम्मू कश्मीर जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट रखा गया है.

फ्रंट की ओर से जारी बयान के मुताबिक अपनी पहल के तहत पार्टी कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास और मोर्चे की नई समितियों के गठन के लिए प्रतिबद्ध है. जो लोगों के कल्याण और हितों के लिए सक्रिय रूप से काम करेगी. इस फ्रंट द्वारा आधिकारिक रूप से शुरू किए गए पहले कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष शमीम अहमद थोकर, महासचिव सियार रेशी और सलाहकार मुहम्मद अहसान लोन समेत मोर्चे के प्रमुख नेता मौजूद थे.

सभा को संबोधित करते हुए फ्रंट के वरिष्ठ सदस्यों ने एक शांतिपूर्ण और प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर के अपने दृष्टिकोण पर जोर दिया वहीं, जारी बयान के अनुसार, नवगठित राजनीतिक दल एक समावेशी मंच बनाने का प्रयास करता है, जहां लोगों की आवाज सुनी जाए और उनकी चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाए. फ्रंट के नेतृत्व ने आश्वासन दिया है कि पार्टी की नई समितियां जनता की शिकायतों को हल करने, सद्भाव को बढ़ावा देने और क्षेत्र में समग्र विकास सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी.

वहीं, जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता इकबाल त्रंब ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस उभरते राजनीतिक दल, जिसकी घोषणा कल जमात के कुछ पूर्व सदस्यों ने की, इसको जमात का समर्थन है या नहीं? त्रंब ने कहा, 'लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल का उभरना एक स्वागत योग्य कदम है. जमात पहले भी करीब 35 साल पहले चुनावों में भाग लेती थी.

लेकिन उसके बाद उन्होंने भाग नहीं लिया. यह अच्छी बात है क्योंकि ऐसी चीजें लोकतंत्र के लिए फायदेमंद हैं.'

ओवैसी की पार्टी बना रही 'हैदराबादी प्लान'

नई दिल्ली.

बिहार में विधानसभा चुनाव में अभी काफी वक्त है, लेकिन राजनीतिक दलों में चुनावी समीकरण सेट करने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है. सभी प्रमुख दल अभी से सक्रिय हो गए हैं. हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईआईएम भी यहां पर अपनी मजबूत चुनौती पेश करने और सियासी समीकरण बिगाड़ने की तैयारी में लग गई है. एआईआईएम अब बिहार में उम्मीदवार तय करने के लिए 'हैदराबादी प्लान' में जुटी है.

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम भी बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए अभी से अपनी तैयारी में जुट गई है. पार्टी नेतृत्व जोर-शोर से अपनी चुनावी रणनीति को तय करने में लगा हुआ है, लेकिन इस बीच ऐसी जानकारी भी मिल रही है, जिसके तहत यह दावा किया जा रहा है कि आगामी चुनाव को लेकर ओवैसी की पार्टी कुछ ऐसे रणनीति बना सकती है जो बिहार में पार्टी की तरफ से शायद पहली बार होगा.पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बार एआईआईएम पूरे बिहार में अपने उम्मीदवारों को उतारने की तैयारी में लगी हुई है. इसके लिए विशेष तौर पर रणनीति बनाई जा रही है. पार्टी की नजर मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में तो है ही लेकिन इसके अलावा वह राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी अपने उम्मीदवारों को उतारने की तैयारी को लेकर गंभीरता से विचार कर रही है. पार्टी इसके लिए अपने राज्य स्तरीय नेताओं के साथ ही कार्यकर्ताओं से भी लगातार मंथन कर रही है. पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एआईआईएम इस बार कम से कम 50 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारने का प्लान बना रही है.पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हसन कहते हैं कि उनकी पार्टी पर हमेशा यह टैग लगता रहा है कि वह केवल अल्पसंख्यकों की ही बात करती है और उसकी ही पार्टी है, लेकिन ऐसा नहीं है. लेकिन हम इस धारणा को बदल देंगे.

कांग्रेस के छह सदस्यों को विधानसभा से किया गया निलंबित

जयपुर

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर टिप्पणी और कांग्रेस के छह सदस्यों को विधानसभा से निलंबित किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी की ओर से राजधानी में विधानसभा घेराव किया गया। सहकार मार्ग के पास मंच बनाया गया जहां से घेराव शुरू करना था। मंच पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे जिनमें लोकसभा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल और हरीश मीणा सहित पार्टी के कई विधायक, पूर्व मंत्री और पदाधिकारी मौजूद रहे। उधर सदन में भी विरोध विपक्ष की ओर से विरोध प्रदर्शन जारी रहा। आज गतिरोध रोकने के प्रयास भी हुए। निलंबित किए गए छह सदस्यों को बहाल करने पर सहमति बन गई है।

सहकार मार्ग पर 22 गोदाम सर्किल के पास बनाए गए मंच से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अपना संबोधन दिया। इनमें लोकसभा सांसद राहुल कस्वां, उम्मेदाराम बेनीवाल, सांसद हरीश मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, ममता भूपेश, प्रताप सिंह खाचरियावास, मुरारीलाल मीणा, गोविंद राम मेघवाल, शाले मोहम्मद, हरीश चौधरी, कृष्णा पूनिया, बीडी कल्ला, संयम लोढा, डॉ. अर्चना शर्मा, नसीम अख्तर, सुनिता गठाला, बाबूलाल नागर सहित पार्टी के कई नेता मौजूद रहे। संबोधन के बाद विधानसभा घेराव के लिए रवाना हुए तो पुलिस ने बेरिकेड्स लगाकर रोक दिया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बैरिकेट हटाकर आगे बढने की कोशिश की तो पुलिस ने वाटर कैनन से पानी फेंक कर प्रदर्शनकारियों को आगे नहीं बढ़ने दिया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता पुलिस से उलझ पड़े। कुछ कार्यकर्ताओं ने बेरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की जिन्हें धक्के मारकर नीचे उतारा और पीछे की ओर खदेड़ा गया। बाद में जब आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा बढ़ गया और वे पुलिस पर हावी होने लगे तो पुलिस ने वाटर कैनन से पानी फेंक कर प्रदर्शन करने वालों को खदेड़ा। पानी के प्रेशर से चोट लगने के कारण कई कार्यकर्ता सड़क पर गिर गए। पुलिस की इस कार्रवाई से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

"महिलाओं को गर्भवती बनाओ और पैसा कमाओ"

> बिहार में बड़ा रैकेट

नई दिल्ली.

हमने अब तक कई प्रकार के साइबर घोटाले देखे हैं। किसी व्यक्ति द्वारा बैंक से होने का दावा करना और आपके खाते से पैसे काट लेना, या किसी फोन कॉल द्वारा यह कहना कि आपका कोई रिश्तेदार मुसीबत में है और उसे मदद के लिए पैसे की जरूरत है। घोटालेबाजों ने धोखे के अनगिनत तरीके ईजाद कर लिए हैं। बिहार में इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इसका नाम अखिल भारतीय गर्भवती नौकरी सेवा रखा गया। इस घोटाले में गरीब, मेहनतकश मजदूरों और किसानों को पैसों का लालच दिया जाता है और उनसे पैसे ऐंठ लिए जाते हैं। यह घोटाला पिछले साल उजागर हुआ था। लेकिन, यह घोटाला अभी तक नहीं रुका है। पैसों का लालच देकर ठगी का शिकार होने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन कोई भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाता, क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं उनके घर का राज उजागर न हो जाए।

घोटाला बिहार के नवादा जिले में चल रहा है। इस घोटाले के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कुछ पीड़ितों से बात की। इस घोटाले का विज्ञापन फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर किया जाता है। यह महिलाओं को गर्भवती करके पैसा कमाने की योजना है और अनगिनत गरीब युवा इस योजना का शिकार हो रहे हैं। "मेरी पत्नी सात महीने की गर्भवती थी। मैं इस समय के दौरान वित्तीय सुविधा पाने के लिए इस योजना की ओर आकर्षित हुआ। लेकिन मेरा पैसा चला गया. मुकेश कुमार नामक एक पीड़ित ने द प्रिंट को बताया, "अब तो घोटालों के खिलाफ कॉलर ट्यून सुनकर भी मुझे गुस्सा आता है।"

नाबालिगों द्वारा चलाया जा रहा धोखाधड़ी का कारोबार

इस घोटाले के लिए कोई बड़ा कार्यालय या फर्नीचर की आवश्यकता नहीं है। तकनीक में दक्ष आपराधिक पृष्ठभूमि वाले बेरोजगार नाबालिगों ने यह धोखाधड़ी का धंधा शुरू कर दिया है। यह कारोबार नवादा जिले के चकवाई, सिमरी और समाई गांवों के खलिहानों, खेतों और बगीचों में चलता है। इसके अलावा, वे इस घोटाले के लिए सस्ते चीनी मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं।